वर्ष-11 अंक-41 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये

प्रयागराज, गुरुवार 17 अप्रैल 2025

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play

Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटवर्क

11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद पलायन कर झारखंड पहुंचे कई परिवार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद पलायन कर झारखंड पहुंचे कई परिवार, अन्य ने मालदा में राहत शिविरों में ली शरणवक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसक प्रदर्शन के बाद कई परिवार विस्थापित हो गए हैं। इनमें से कई परिवारों ने झारखंड के पाकुड़ जिले में शरण ली है। जबकि अन्य ने मालदा में स्थापित राहत शिविरों में शरण ली है। झारखंड के पाकुड़ में शरण लेने वाले एक वृद्ध व्यक्ति मुर्शिदाबाद हिंसा के दौरान की मुश्किलों को याद करते हुए रो पड़े। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में उन्होंने कहा, मुझ सच में नहीं पता कि क्या हुआ। मैंने सुबह अपनी दुकान खोली और बाहर बैठ गया। उन्होंने ईंटें फेंकी और दरवाजे तोड़ दिए। मेरा टेलीविजन, शीशा, फर्नीचर, दो-तीन अलमारी और मेरा सारा पैसा घर पर था।

पाकिस्तान ने तालिबान पर दोहरा चरित्र अपनाया, आतंकवाद पर अपने ही जाल में फंसा', जयशंकर की खरी-खरी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। गुजरात के चारोतार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में संवाद सत्र के दौरान विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान दोहरा खेल खेल रहा था। वह तालिबान के साथ भी खेल रहा था और दूसरे पक्ष के साथ भी। लेकिन, जब

अमेरिकी चले गए, तो दोहरा खेल जारी नहीं रह सका। पाकिस्तान ने ही आतंकवाद को बढ़ावा दिया। वही उन्हें वापस आकर नुकसान पहुंचा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान को घेरा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपने ही धोखे के जाल में फंस गया है। उसने तालिबान और अन्य पक्षो के साथ दोहरा चरित्र अपनाया। गुजरात के चारोतार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में संवाद सत्र के दौरान विदेश मंत्री ने कहा कि कैसे पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के साथ गलत किया और अपने ही जाल में फंस गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दोहरा खेल खेल रहा था। वह तालिबान के साथ भी खेल रहा था और दूसरे पक्ष के साथ भी। लेकिन, जब अमेरिकी चले गए, तो दोहरा खेल जारी नहीं रह सका। पाकिस्तान ने ही आतंकवाद को बढ़ावा दिया। इस दोहरे खेल से उन्हें जो भी लाभ मिल रहा था, वह भी अमेरिका तो अफगानिस्तान छोड़ने के बाद खत्म हो गया। जिस आतंकवाद को पाकिस्तान ने बढ़ावा दिया था, वही उन्हें वापस आकर नुकसान पहुंचा रहा है। तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर उन्होंने कहा कि हम अमेरिका-भारत के बीच आतंकवाद विरोधी सहयोग की सराहना करते हैं। यह वास्तव में 26/11 हमलों के पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

दहशत से उड़ी नींद, कानों में गूंजती है मारो-मारो की आवाज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और मालदा में हिंसा के बाद दहशत का माहौल है। पीड़ितों का कहना है कि हिंसा के खौफनाक मंजर के चलते नींद तक नहीं आ रही। उन्होंने बताया कि कानों में

मारो-मारो की आवाज गूंजती है। राहत शिविर मुर्शिदाबाद हिंसा की पीड़िताओं का दर्द समेटे है। यहां शरण लेने वाले लोगों की आंखों में भय साफ नजर आता है। नौ दिन के बच्चे को गोद में लेकर दुलार करते-करते अचानक आंसू झरने लगते हैं...हिंसा वाली रात की दहशत आंखों में तैरने लगती है...आंसू पोंछकर बच्चे को निहारती है और अगले ही पल भविष्य की सोचकर दिल धक्क से बैठ जाता है...यह हैं बेदवना गांव की सप्तमी मंडल। वक्फ संशोधन कानून के विरोध में मुर्शिदाबाद में हिंसा का जो तांडव मचा, उसकी गवाह भी हैं और पीड़िता भी। सप्तमी अभी मालदा के पारलालपुर के हाईस्कूल में बने राहत शिविर में रह रही हैं। हिंसा के बाद किसी तरह गंगा पार करके इस शिविर में पहुंची हैं। मंगलवार को जब हमने हिंसा को लेकर सवाल पूछा, तो नम आंखों से कहती हैं...उस रात का दर्द सुनाने की न तो हिम्मत है और न ही कलेजा। भय इतना है कि रात में नींद तक नहीं आती।भरोसा नहीं होता कि एकसाथ रहने वाले लोग अचानक हैवान कैसे बन सकते हैं...दुख-दर्द बांटने वाले हम पर जुल्म की कैसे सोच सकते हैं। हमारे कपड़ों को खींचने की हिम्मत कैसे कर सकते हैं। इन्सान को जानवर बनते देर नहीं लगती...यह सुना था, लेकिन उस रात देख भी लिया। घर धूं-धूं कर जल रहे थे। हर कोई जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहा था। पति घर पर नहीं थे...चार दिन के बच्चे को लेकर मैंने किसी तरह नदी पार की...पता नहीं, कहां से इतनी हिम्मत आ गई। यह कहते-कहते सप्तमी सुबकने लगती हैं।

सिविल डिफेंस अधिकारी श्री रौनक गुप्ता जी ने अखबार प्रकाशन गृह जाकर अखबार बनने से लेकर छपने तक का सफर देखा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रेसः अखबार प्रकाशन गृह में - कुशल कर्मचारीः अखबार

प्रयागराज। अखबार प्रकाशन गृह का भ्रमण - अखबार प्रकाशन प्रक्रिया की जानकारीः सिविल डिफेंस अधिकारी ने अखबार प्रकाशन गृह में अखबार बनने की पूरी प्रक्रिया को देखा और समझा। - सामग्री संकलन से लेकर छपाई तकः उन्होंने अखबार की सामग्री संकलन, संपादन, डिज़ाइनिंग, और छपाई की प्रक्रिया को देखा। - आधुनिक तकनीक का उपयोगः अखबार प्रकाशन गृह में आधुनिक तकनीक का उपयोग करके अखबार की गुणवत्ता और गति

को बढ़ाने के तरीकों को देखा। **अखबार प्रकाशन गृह की विशेषताएं** - आधुनिक प्रिंटिंग आधुनिक प्रिंटिंग प्रेस की सुविधा है, जो उच्च गुणवत्ता वाले अखबार की छपाई की अनुमति देती है। प्रकाशन गृह में कुशल कर्मचारी काम करते हैं, जो अखबार की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करते हैं। **भ्रमण का उद्देश्य** - अखबार प्रकाशन प्रक्रिया की समझः सिविल डिफेंस अधिकारी का उद्देश्य अखबार प्रकाशन प्रक्रिया की समझ प्राप्त करना था। - जागरूकता बढ़ानाः भ्रमण का उद्देश्य अखबार प्रकाशन की प्रक्रिया के बारे में जागरूकता बढ़ाना भी था।

वक्फ कानून को सुप्रीम कोर्ट में किस आधार पर दी गई चुनौती सुनवाई से पहले 10 बिंदुओं में समझिए सब कुछ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। वक्फ कानून के खिलाफ दायर दर्जनों याचिकाओं पर सुप्रीम

कोर्ट आज सुनवाई करेगा। केंद्र सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर रखी है। सरकार की ओर से कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आदेश पारित करने से पहले उसका पक्ष सुनने के लिए कैविएट लगाई है। वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ सुनवाई करेगी। संशोधित कानून का मकसद वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को नियंत्रित करना है। इस कानून का बचाव करने के लिए छह भाजपा शासित राज्यों ने भी पक्षकार बनने की मांग की है।सुनवाई से पहले मंगलवार को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने नए वक्फ कानून को कानूनी चुनौती का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट विधायी मामले में दखल नहीं देगा। संविधान में शक्तियों का विभाजन अच्छी तरह से परिभाषित है। हमें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। अगर कल सरकार न्यायपालिका में हस्तक्षेप करती है, तो अच्छा नहीं होगा। 1. लोकसभा और राज्यसभा में लंबी बहस के बाद इस महीने की शुरुआत में संसद ने वक्फ संशोधन विधेयक पारित किया था। अब भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की तीन न्यायाधीशों की पीठ दोपहर 2 बजे इस पर सुनवाई करेगी। 2. इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया था कि वह विधायिका के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करेगा। हालांकि, संविधान से जुड़े मुद्दों पर अंतिम मध्यस्थ के रूप में वह याचिकाकर्ताओं को सुनने के लिए सहमत भी हुआ। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि संशोधित कानून समानता के अधिकार और धार्मिक प्रथाओं को अपनाने के अधिकार सहित कई मौलिक अधिकारों का हनन करता है।

कॉपीराइट के तहत संरक्षित कार्य को डिजाइन कानूनों से अलग होंगे, शीर्ष कोर्ट ने तय की रूपरेखा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। कॉपीराइट के तहत संरक्षित कार्य को डिजाइन कानूनों से अलग होंगे, शीर्ष कोर्ट ने तय की रूपरेखा सुप्रीम कोर्ट ने कॉपीराइट अधिनियम के तहत संरक्षित कार्यों और डिजाइन अधिनियम के तहत संरक्षण के

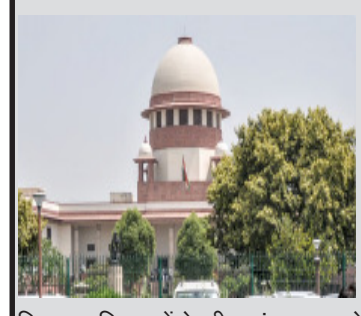

लिए पात्र डिजाइनों के बीच अंतर करने के लिए एक रूपरेखा तैयार की है। औद्योगिक डिजाइनों में बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित एक मामले में फैसला सुनाते हुए जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मंगलवार को यह रूपरेखा तैयार की।शीर्ष अदालत ने आईनॉक्स इंडिया लिमिटेड के खिलाफ क्रायोगास इक्विपमेंट प्राइवेट लिमिटेड और एलएनजी एक्सप्रेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की अपीलों को खारिज कर दिया और आईनॉक्स के कॉपीराइट उल्लंघन के मुकदमे को बहाल करने के गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश की पुष्टि की। उन्होंने ट्रायल कोर्ट को मामले में गुण-दोष के आधार पर आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। अदालत के सामने मुख्य मुद्दों में से एक यह पैरामीटर निर्धारित करना था कि क्या कोई कार्य या लेख कॉपीराइट अधिनियम की धारा 15(2) में निर्धारित सीमा के अंतर्गत आता है, जिससे इसे डिजाइन अधिनियम की धारा 2(डी) के तहत डिजाइन के रूप में वर्गीकृत किया जा सके।इस मुद्दे में यह सवाल शामिल था कि एक कलात्मक कार्य औद्योगिक पैमाने पर इसके आवेदन के कारण कॉपीराइट संरक्षण का लाभ उठाना कब बंद कर देता है, और इस प्रकार डिजाइन अधिनियम के तहत परिभाषित डिजाइन में बदल जाता है। कॉपीराइट अधिनियम, 1957 के तहत संरक्षित कार्यों और डिजाइन अधिनियम, 2000 के तहत संरक्षण के लिए पात्र डिजाइनों के बीच अंतर करने के लिए एक निश्चित रूपरेखा तैयार करते हुए, न्यायमूर्ति सूर्यकांत की ओर से लिखे गए 56-पृष्ठ के फैसले ने कलात्मक कार्यों और डिजाइनों के बीच अक्सर होने वाले विवाद को संबोधित किया।

बाजार में तीन दर्जन प्रतिबंधित दवाएं, सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों ने बिना वैज्ञानिक जांच के फार्मा कंपनियों को प्रतिबंधित एफडीसी दवाओं के लाइसेंस दे दिए, जिससे करीब 35 से ज्यादा दवाएं बाजार में पहुंच गईं। ड्रग कंट्रोलर ने इसे

सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर बताया और सभी राज्यों को लाइसेंस प्रक्रिया की समीक्षा के निर्देश दिए। देश के अलग-अलग हिस्सों में बिना जांच और नियम की अनदेखी कर प्रतिबंधित दवाओं के लाइसेंस जारी कर दिए गए। इतना ही नहीं देश के कई राज्यों ने फार्मा कंपनियों को लाइसेंस देने से पहले इन दवाओं की सुरक्षा और प्रभाव के बारे में जानना तक जरूरी नहीं समझा। इसका खामियाजा यह रहा कि करीब तीन दर्जन से ज्यादा तरह की दवाएं भारतीय बाजार में पहुंच गईं।इन दवाओं का इस्तेमाल बुखार, मधुमेह, बीपी, कोलेस्ट्रॉल और फैटी लीवर जैसी परेशानियों के लिए किया जा रहा है जबकि ये स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा भी बन सकती हैं। यह पूरा मामला फिक्स डोज कॉम्बिनेशन यानी निश्चित खुराक संयोजन (एफडीसी) दवाओं से जुड़ा है। जिन दवाओं को दो या उससे अधिक सक्रिय दवाओं को मिश्रित करके बनाया जाता है वह एफडीसी की श्रेणी में आती हैं। यह खुलासा केंद्रीय एजेंसी की एक जांच में हुआ है जिसमें फार्मा कंपनियों का मानना है कि उन्हें यह लाइसेंस राज्य के प्राधिकरण से प्राप्त हुआ है। इसलिए प्रतिबंधित दवाओं का उत्पादन करने पर उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है। कानूनी तौर पर फार्मा कंपनियों का यह जवाब उनके पक्ष में है लेकिन भारत के दवा नियामक संगठनों की इस लापरवाही पर भारत सरकार के ड्रग कंट्रोलर डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी ने नाराजगी जताई है। बीते 11 अप्रैल को जारी आदेश में डॉ. रघुवंशी ने बिना जांच दवाओं का लाइसेंस बांटने को सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया।नई दिल्ली स्थित केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि निर्माता फार्मा कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया लेकिन कंपनियों ने अपने जवाब में कहा कि उन्हें ये लाइसेंस संबंधित राज्य के प्राधिकरण ने दिया है। इसलिए उन्होंने किसी नियम का उल्लंघन नहीं किया। इस तर्क ने केंद्रीय एजेंसी के जहन में कई तरह के सवाल खड़े किए जिसके बाद जांच अधिकारियों को एक के बाद एक करीब 12 से ज्यादा राज्यों के बारे में पता चला जो उनके लिए हैरानी भरा था, क्योंकि नियमों में स्पष्ट तौर पर इन दवाओं के लाइसेंस नहीं देने का प्रावधान है। ड्रग कंट्रोलर डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी ने आदेश में लिखा है कि वैज्ञानिक सत्यापन के बिना इन दवाओं का मरीजों पर प्रतिकूल प्रभाव भी पड़ सकता है। इसके अलावा ये दवाएं परस्पर क्रिया या फिर मरीजों को अन्य स्वास्थ्य संबंधी खतरे पैदा कर सकती हैं।

10 मिनट में मौत के घाट उतारे गए थे 23 लोग, लाशों के बीच मरने का नाटक कर कई ने बचाई थी जान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। नक्सली संगठन-माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर (एमसीसी) को खत्म करने के लिए बिहार के दो जिलों में एक के बाद एक रणवीर सेना ने दो नरसंहारों को अंजाम दिया। पहला- 1996 में भोजपुर में हुआ बथानी टोला नरसंहार और दूसरा 1997 में जहानाबाद में अंजाम दिया गया लक्ष्मणपुर बाथे हत्याकांड। इसी कड़ी में अगला निशाना था- जहानाबाद का शंकरपुर बिगहा गांव, जहां 25 जनवरी 1999 का दिन खौफ का दिन साबित हुआ। बिहार में जातियों के बीच तनाव के हिंसा में बदलने का इतिहास आजादी से भी पहले का रहा है। हालांकि, 1970 के दशक और उसके बाद जातीय हिंसा की घटनाएं बर्बर होने लगीं। 1990 के दशक के मध्य का दौर ऐसा था जब उच्च जातियों के संगठन रणवीर सेना और दलित व पिछड़ी जातियों के बीच का संघर्ष अपने चरम पर पहुंच गया। इसी दौर में भोजपुर में हुआ बथानी टोला नरसंहार और जहानाबाद में हुआ लक्ष्मणपुर बाथे हत्याकांड सबसे चर्चित रहा। जहानाबाद का शंकरपुर बिगहा हत्याकांड भी इसमें शामिल था। 25 जनवरी 1999 को

इस खौफनाक घटना को जहानाबाद जिले के शंकरपुर बिगहा गांव में अंजाम दिया गया था। बिहार चुनाव से जुड़ी हमारी खास पेशकश 'बिहार के महाकांड' सीरीज के पांचवें भाग में आज इसी शंकरपुर बिगहा नरसंहार की कहानी।इसके अलावा शंकर बिगहा में हमले में 10 लोग बुरी तरह जख्मी हुए रिपोर्ट्स के मुताबिक, उस दौरान शंकर बिगहा में जो नरसंहार हुआ, उसमें महिलाओं और बच्चों को पॉइंट ब्लैंक रेंज यानी बेहद करीब से सिर और पेट पर गोली मारी गई। रणवीर सेना के कुछ हत्यारों ने इसके बाद एक अखबार से यहां तक दावा किया था कि वह शंकर बिगहा में कम से कम 70 लोगों को मारने के इरादे से घुसे थे। गोलियों का शोर जब बंद हुआ और बारूद का धुआं जब कुछ ऊपर उठा तो पीड़ित परिवारों ने वो आवाजें सुनीं, जो कुछ महीने पहले ही बथानी टोला और लक्ष्मणपुर बाथे को दहला चुकी थीं। यह आवाज थी 'रणवीर सेना जिंदाबाद' और 'रणवीर बाबा की जय' की। घटना के चश्मदीद बताते हैं कि रणवीर सेना की यह गोलीबारी तब रुकी, जब शंकर बिगहा के करीब के गांव धेवाई और करमचंद बिगहा से ग्रामीणों ने हवाई फायरिंग की और घटनास्थल पर आने के संकेत दे दिए। इसके बाद पूरा शंकर बिगहा सीटियों की आवाज से गूंज उठा। रणवीर सेना के लोगों को यह संकेत था भाग निकलने का। इसके बाद हत्यारों की पूरी टोली वहां से भाग निकली। शंकर बिगहा में हुए इस नरसंहार को लेकर ग्रामीणों ने कई मौकों पर प्रशासन की लेटलतीफी की शिकायत की। पीड़ितों के रिश्तेदारों का कहना था कि हमले के कुछ दिन बाद कमांडो फोर्स ने धोबी बिगहा में छापेमारी की और वहां छह हत्यारों को मजे करते देखा। दावा किया जाता है कि यह कमांडो रणवीर सेना के इन कथित कार्यकर्ताओं को मौके पर ही गोली मार देना चाहते थे। हालांकि, तब एएसपी महावीर प्रसाद जो कि एक राजपूत थे, ने हत्यारों को बचा लिया। इसके एक हफ्ते बाद 12 और लोगों को गिरफ्तार किया गया। छह लोग कई महीनों तक फरार रहे।

भारत में 2047 तक तीन-चार गुना बढ़ जाएगी फलों-सब्जियों और पशु उत्पादों की मांग, खेती की जमीन घटेगी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। वर्ष 2047 तक भारत की खाद्य मांग दोगुनी से अधिक हो जाएगी, जबकि फलों, सब्जियों और पशु उत्पादों की मांग तीन से चार गुना बढ़ने की संभावना

है।भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान से जुड़े नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स एंड पॉलिसी रिसर्च (आईसीएआर-एनआईएपी) के विश्लेषण के अनुसार इस तेजी से बढ़ती जरूरत को देखते हुए कृषि भूमि में मामूली गिरावट की संभावना है, जो मौजूदा 18 करोड़ हेक्टेयर से घटकर 17.6 मिलियन हेक्टेयर हो सकती है। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि परंपरागत अनाजों को अधिक पोषणयुक्त और विविध बनाने की दिशा में काम किया जाना चाहिए। 2047 तक भारत की आबादी करीब 1.6 अरब तक पहुंच सकती है और आधी जनसंख्या शहरों में रहने लगेगी। इस जनसांख्यिकीय और आर्थिक विकास के साथ ही लोगों के खानपान में बड़ा बदलाव आएगा, जिसमें बागवानी उत्पाद और पशुपालित खाद्य वस्तुओं की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिलेगी।रिपोर्ट के अनुसार, फलों की मांग सालाना 3ज्ञ् की दर से बढ़कर 23.3 करोड़ टन हो सकती है, जबकि सब्जियों की मांग 2.3ज्ञ् की वृद्धि के साथ 36.5 करोड़ टन तक पहुंचने की संभावना है। दालों की खपत दोगुनी होकर 4.9 करोड़ टन और खाद्य तेल व चीनी की मांग में क्रमशः 50 और 29 फीसदी तक की वृद्धि अनुमानित है शुद्ध खेती योग्य भूमि 2047 तक घटकर 13.8 करोड़ हेक्टेयर हो सकती है, जबकि फसल चक्र की तीव्रता 156 से बढ़कर 170 फीसदी तक हो सकती है। इससे जल और ऊर्जा जैसी संसाधनों पर और अधिक दबाव बढ़ेगा। कृषि पर पहले ही देश के कुल जल उपयोग का 83 फीसदी भाग खर्च होता है, इसमें 18 फीसदी की और वृद्धि हो सकती है।

प्रियांशु और आशीष किए गए पद्मश्री अवॉर्डी के हाथों सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। संगीत एवं कला की दुनिया में विगत एक दशक से प्रयागराज में युगल जोड़ी के रूप में विशिष्ट पहचान बनाने वाली गायक एवं एंकर प्रियांशु श्रीवास्तव तथा आशीष शर्मा की जोड़ी को देश की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी के हाथों पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त करने वाली लोक गायिका उर्मिला श्रीवास्तव के हाथ विशिष्ट सम्मान दिया गया। हाल में प्रियांशु श्रीवास्तव एवं आशीष शर्मा को लोग गायन के क्षेत्र में पद्मश्री पाने वाली मिर्जापुर की लोक गायिका उर्मिला श्रीवास्तव ने अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए कहा कि यह युगल जोड़ी न सिर्फ अपनी कला से बल्कि अपने सौम्य अंदाज तथा स्वभाव के कारण अपनी विशिष्ट पहचान रखती है ।श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव जी ने प्रियांशु के उद्घोषणा के अंदाज और आवाज को हिंदुस्तान के जाने-माने रेडियो उद्घोषक अमीन सयानी जी से तुलना करते हुए कहा कि हाल में ही अमीन सयानी जी का जाना देश भर से एक हृदय को छूने वाली आवाज छीन ले गया था लेकिन प्रियांशु की आवाज सुनकर अमीन सयानी जी की आवाज याद आती है उन्होंने शुभकामनाएं देते हुए दोनों

कलाकारों को लोक कला की पारंपरिक तत्वों से परिचित कराते हुए पारंपरिक गीतों को गाने की सलाह दी। प्रियांशु श्रीवास्तव तथा आशीष शर्मा ने पिछले आठ वर्षों में दो सौ से अधिक सम्मान प्राप्त करते हुए एक हजार से अधिक मंच देश भर पर गायक के रूप में किया प्रियांशु ना सिर्फ गायक बल्कि एंकर के रूप में भी दिल्ली दूरदर्शन लखनऊ दूरदर्शन सहित डीडी भारती एवं डीडी उत्तर प्रदेश के सूचीबद्ध एंकर के साथ संस्कृति मंत्रालय तथा संस्कृति विभाग के लिए भी उद्घोषणा कर रहे हैं तथा आशीष शर्मा भी संस्कृति मंत्रालय एवं संस्कृति विभाग के लिए गीत गाते हुए भारतीय संस्कृति एवं कला के साधक के रूप में लगातार प्रियांशु के साथ युगल जोड़ी बनाये हुए प्रयागराज का मान बढ़ा रहे हैं। विश्व आवाज दिवस के अवसर पर आवाज की दुनिया के बेताज बादशाह आमिर सयानी साहब के आवाज से प्रियांशु श्रीवास्तव की आवाज तुलना किए जाने पर यमुना पर कलाकार संघ के प्रशासन मंत्री मुन्ना मासूम एवं समस्त पदाधिकारी ने प्रियांशु को बधाई की।

रहिमापुर पुलिस चौकी का महापौर ने किया उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज झूंसी। बुधवार को प्रयागराज के महापौर गणेश उमेश

केसरवानी ने झूंसी के रहिमापुर में नई पुलिस चौकी का उद्घाटन किया। भाजपा गंगापार जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम शुरू किया। समारोह में एसीपी झूंसी-दारागंज विमल किशोर मिश्र, थानाध्यक्ष उपेंद्र प्रताप सिंह, चौकी इंचार्ज जय राम सरोज, भाजपा नेता, कार्यकर्ता, स्थानीय लोग और पत्रकार मौजूद रहे। महापौर ने कहा कि यह चौकी क्षेत्र में सुरक्षा और कानून व्यवस्था को मजबूत करेगी। निर्मला पासवान ने इसे भाजपा सरकार की विकास और शांति की प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया। पुलिस अधिकारियों ने चौकी की भूमिका पर जोर दिया। भाजपा महामंत्री मनोज निषाद, मंडल अध्यक्ष झूंसी रोहित निषाद, पार्षद सुमित निषाद, सियाराम मौर्य, शिवनारायण यादव घुन्नू सहित मलावा बुजुर्ग, मलावा खुर्द, शेरडीह के कार्यकर्ता और बूथ अध्यक्ष भी उपस्थित थे।

डॉ भीम राव आंबेडकर जी की जयंती के मद्देनजर बसपा कार्यकर्ताओं ने निकली भव्य रैली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। दिन बुधवार को बसपा कार्यकर्ताओं ने डॉ भीमराव

अंबेडकर जी की जयंती के मद्देनजर नगर पंचायत अनपरा के ग्राम रेहटा और डीबुलगंज से डॉक्टर भीम राव अंबेडकर जी की रैली निकाली। इस रैली में बसपा कार्यकर्ताओं के अलावा अनपरा परिक्षेत्र के गणमान्य लोग ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और रैली के प्रति अपनी रुचि दिखाई । सुरक्षा की दृष्टि से पिपरी क्षेत्राधिकारी अमित कुमार सिंह, पिपरी थाना अध्यक्ष नागेश सिंह, अनपरा थाना अध्यक्ष शिव प्रताप वर्मा, रेनू सागर चौकी प्रभारी राजेश सिंह मैं दलबल के साथ रैली को संबोधित करते रहे। इस मौके पर आशीष मिश्रा बागी अयूब नायला खान, सिराज खान, देवी शरण भारती , उमेश सागर ,राम विशाल दुबे महिपाल दास मित्तल सहित सैकड़ो गड़ मान्य लोग उपस्थित रहे ।

कंपोजिट विद्यालय इरादतगंज का वार्षिकोत्सव संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
घूरपुर। प्रयागराज उच्च प्राथमिक विद्यालय इरादतगंज में शारदा संगोष्ठी और वार्षिकोत्सव का आयोजन भव्यता के साथ संपन्न हुआ। बच्चों द्वारा विविध रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गये। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान देवेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष शफीक खां ने अपना पूर्ण सहयोग दिया।मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी जसरा अखिलेश वर्मा ने दीप प्रज्वलन कर कहा कि बच्चे भारत के सुनहरे भविष्य हैं इन्हें संवारने का कार्य शिक्षकों का है।बच्चों ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, कौव्वाली, राजस्थानी गीत, स्वच्छता अभियान गीत आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रत्येक कक्षा में प्रथम द्वितीय तृतीय आने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

चार क्रेशर प्लांट को किया सीज मचा हड़कंप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
डाला सोनभद्र। जिला प्रशासन ने पर्यावरण नियमों की अनदेखी को लेकर बुधवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए ओबरा क्षेत्र के बिल्ली मारकुंडी और डाला बाडी में संचालित चार स्टोन क्रेशर प्लांट को सीज कर दिया। साथ ही दो अन्य क्रेशर संचालकों को नोटिस जारी करते हुए कड़ी चेतावनी दी गई है। यह कार्रवाई जिलाधिकारी बद्रीनाथ सिंह द्वारा गठित विशेष संयुक्त जांच टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर की गई, जिसमें प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड, खनन विभाग व राजस्व अधिकारी शामिल रहे। संयुक्त टीम द्वारा किए गए निरीक्षण में पाया गया कि जिन क्रेशर प्लांट को सीज किया गया है, वहां प्रदूषण नियंत्रण से जुड़ी बुनियादी व्यवस्थाएं जैसे वाटर स्प्रिंकलिंग, डस्ट फिल्टर सिस्टम और अन्य तकनीकी उपाय नहीं होने पर इसके चलते न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा था बल्कि आस-पास के ग्रामीण इलाकों में धूल और रासायनिक कणों के चलते जनस्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था।नाथ मिश्रा और मिश्रा स्टोन क्रशिंग कंपनी शामिल हैं। वहीं शंकर स्टोन सेवा समिति और विजय स्टोन प्रोडक्ट, जो डाला बारी क्षेत्र में ही संचालित हैं, को नोटिस जारी कर सात दिन के भीतर प्रदूषण नियंत्रण की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। कार्रवाई के दौरान मौके पर खनन निरीक्षक मनोज खनन, वैज्ञानिक ळइझ्ॅ सुशील कुमार, एसडीएम विवेक कुमार सिंह और लेखपाल अमित सिंह उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी ने बनवाया था 'तिवारी हाता अब टूटने लगी दीवार

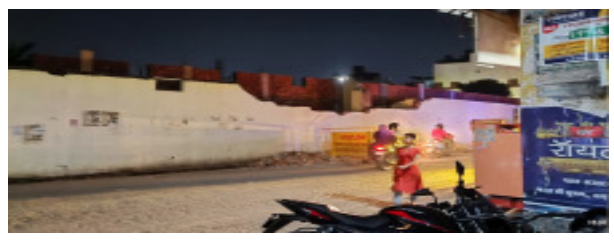

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर। पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी की गिरफ्तारी के बाद अब तिवारी हाता की दीवार विरासत गलियारा की चौड़ाई बढ़ाने के लिए तोड़ी जा रही है। मंगलवार को मजदूरों ने इसे तोड़ने का काम शुरू कर दिया। पूर्व मंत्री स्व. हरिशंकर तिवारी ने तिवारी हाता का निर्माण कराया था, इसलिए इसकी बाउंड्री तोड़ना तो दूर छूना भी सपने से परे की बात मानी जाती थी। लंबे समय से तिवारी हाता की दीवार तोड़ने की चर्चाएं मंगलवार रात को सही साबित हो गईं। पूर्व मंत्री स्व. हरिशंकर तिवारी ने तिवारी हाता का निर्माण कराया था, इसलिए इसकी बाउंड्री तोड़ना तो दूर छूना भी सपने से परे की बात मानी जाती थी। प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से विभिन्न मामलों में पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी की गिरफ्तारी के बाद अब तिवारी हाता की दीवार विरासत गलियारा की चौड़ाई बढ़ाने

के लिए तोड़ी जा रही है। मंगलवार को मजदूरों ने इसे तोड़ने का काम शुरू कर दिया। वहीं, विरासत गलियारा तोड़ने से पहले उचित मुआवजे को लेकर हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में कोर्ट ने फिर से कहा है कि निर्माण के लिए प्रशासन अध्यादेश के तहत जमीन ले या फिर अन्य विधिक प्रक्रिया का पालन कराया जाए। हालांकि, तिवारी परिवार को इसकी जानकारी पहले ही हो गई थी, इसलिए अंदर की तरफ से पुरानी के समानांतर नई मजबूत दीवार पहले ही बना दी गई है। दीवार टूटने के बाद खाली जगह पर नाला निर्माण होगा। शहर के भीतर धर्मशाला पुल से जटाशंकर, अलीनगर, घंटाघर होते हुए पांडेयहाता तक करीब साढ़े चार किलोमीटर लंबा विरासत गलियारा बनाया जाना प्रस्तावित है। लोक निर्माण विभाग को इसका निर्माण कराना है। पहले विरासत गलियारा के लिए 16.5 मीटर की चौड़ाई निर्धारित की गई थी। इसी आधार पर प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया था, लेकिन स्थानीय व्यापारियों की आपत्ति के बाद घटाकर 12.5 मीटर कर दिया गया। इस सड़क के निर्माण के लिए पहली किस्त के रूप में 194 करोड़ रुपये भी जारी हो चुके हैं।नए डिजाइन की स्वीकृति के बाद फरवरी में जमीन व मकान की रजिस्ट्री के साथ चौड़ीकरण का काम शुरू हो गया था। धर्मशाला पुल से जटाशंकर तिराहे के बीच सड़क के एक तरफ जहां नाले का निर्माण चल रहा है, वहीं दूसरी तरफ से मकान व दुकानों को भी तोड़ा जा रहा है ।

प्रदेश आस/पास

भारत

श्री राम दूत बालाजी परिवार द्वारा आयोजित श्री हनुमान जन्मोत्सव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। श्री राम दूत बालाजी परिवार द्वारा आयोजित श्री हनुमान जन्मोत्सव के कार्यक्रम में 13 अप्रैल 25 को बालाजी मंदिर गुलाब रोड कार्यक्रम आरंभ हुआ जिसके जजमान भोला गुप्ता लक्ष्मी गुप्ता ने अंकुर गुप्ता के सहयोग से संपन्न कराया फिर तमाम साधुओं का साधु भोज हुआ तत्पश्चात आम का फोटो भेंट कर सम्मान किया जागरण में शहर के तमाम गण्यमन नागरिकों व्यापारी नेताओं समाजसेवियों सहित हजारों लोग मौजूद रहे और सभी ने झूम कर

से निकली मेहंदीपुर बालाजी महाराज की ज्योति और खाटू नरेश के निशान की शोभायात्रा निकली जिसमें सैकड़ों महिलाएं सहित तमाम लोग शामिल हुए शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए रिफॉर्म क्लब पहुंची शहर में जगह-जगह दर्जनों तोरण द्वार बनाए गए थे और जगह जगह शोभा यात्रा का स्वागत पुष्प वर्षा से करने के लिए खड़े व्यापारी और तमाम समाजसेवियों ने बालाजी महाराज की दिव्य ज्योति और खाटू नरेश के उठाये निशान पर पुष्प वर्षा किया शोभा यात्रा की अगुवाई कर रहे आलोक जायसवाल अंशु चौरसिया आशीष दीक्षित घनश्याम गुप्ता भोला गुप्ता पवन गुप्ता अजय वैश्य राजू डिब्बा हरिओम सोनकर आदि का लोगों ने माला पहनकर न् पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया दूसरे दिन प्रात 14 अप्रैल 25 को 7:00 से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जिसमें सबसे पहले 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ हुआ और यजमान राजू दीक्षित द्वारा संगीत मय सुंदरकांड का पाठ हुआ उसके पश्चात बालाजी महाराज का हवन हुआ जिसके जजमान घनश्याम गुप्ता मनोज गुप्ता अजय वैश्य पवन गुप्ता थे उसके पश्चात कन्या भोज का जनमानस के लिए विशाल भंडारा प्रारंभ हो गया जो देर रात तक चला जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया रात्रि लगभग 9:00 से जागरण का आरंभ हुआ जिसमें कोलकाता से आई गायिका रिंकी गुप्ता ने बाबा के भजन गाकर लोगों को खूब लुभाया और कानपुर से आई आलिया बेटू चंचल ने भी बाबा के भजन गाकर शमा बांध दिया और सभी भक्तों को खूब नचाया और दिल्ली से आए भजन गायक आचार्य रजनीश श्रीवास्तव जी ने तो कमाल ही कर दिया बांसुरी बजाकर सभी का मन मोह लिया इन सभी भजन गायको ने श्री बालाजी महाराज और खाटू नरेश के भजन गाकर सभी भक्तों को भाव विभोर कर दिया जागरण ग्रुप द्वारा राधा कृष्ण की झांकी महाकाल की भस्म आरती जितेंद्र बजरंगी और श्री राम दरबार की झांकी के सभी ने बड़ी सराहना की और सभी के भजनों पर भक्तों ने खूब झूम झूम कर नाचे और मस्त होकर बाबा की जागरण में हाजिरी लगाई कार्यक्रम आयोजन पवन गुप्ता ने राम दूत बालाजी परिवार के सभी सदस्यों के साथ बाहर से आए हुए सभी भजन गायको का साल पहना कर और बालाजी महाराज बाबा का गुणगान किया जागरण के पश्चात 15 तारीख अप्रैल को प्रातः 6:00 बजे हवन और बाबा की आरती हुई उसके पश्चात 56 भोग का प्रसाद का वितरण हुआ सभी भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया और निशान का भी वितरण हुआ सभी भक्तों ने बालाजी महाराज भगवान श्री रामचंद्र जी और खाटू नरेश के खूब जयकारा लगे जयकारों से पूरा प्रांगण गूंज उठा श्री राम दूध बालाजी परिवार के सेवादारो में संरक्षक विजय अग्रवाल पवन गुप्ता अंशु चौरसिया नवीन सोनकर आकाश गुप्ता भोला गुप्ता घनश्याम गुप्ता आशीष दीक्षित आलोक जायसवाल हरिओम सोनकर अजय कुमार वैश हर्ष वैश्य मनोज गुप्ता राजेश सोनकर गुड्डू गुप्ता अश्विनी श्रीवास्तव गौरव गुप्ता प्रिंस वर्मा राजू डिब्बा रितिक गुप्ता अमन गुप्ता विशाल गुप्ता रजत सोनकर हनी माली प्रेमचंद गुप्ता अनु मिश्रा सुनील गुप्ता राम सिंह शुभम कश्यप सहित कमेटी के सभी सेवादारों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया कार्यक्रम के समापन पर मीडिया प्रभारी भोला गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

50 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार, आलाकत्ल दिखाने की बात कहकर ले गया था; पुलिस पर करने लगा फायरिंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। पुलिस बदमाश को गिरफ्तार करने पहुंची तो उसने डबल मर्डर में प्रयुक्त आलाकत्ल को दूसरी जगह छिपाने की बात कही। उसे लेकर पुलिस बताए स्थान पर पहुंची तो उसी कट्टे से बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी।गाजीपुर के खानपुर पुलिस थाना क्षेत्र के उचौरी डबल मर्डर का आरोपी और 50 हजार का इनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। साथ ही आरोपी के कब्जे से पिस्टल, 2 खोखा कारतूस और एक कारतूस बरामद किया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि डबल मर्डर में शामिल आरोपी और उचौरी निवासी शाहिल उर्फ बिल्लू का हाथ-पैर बंधाकर किसी ने उचौरी में छोड़ दिया है। मौके पर पहुंच कर अभियुक्त को प्राथमिक उपचार हेतु सीएचसी खानपुर ले ले गई। स्वाट टीम को भी बताया। संयुक्त रूप से अभियुक्त से घटना के

संबंध में विस्तृत पूछताछ की गई। आलाकत्ल के संबंध में अभियुक्त ने बताया कि उसे सैदपुर क्षेत्र में छिपा कर रखा है। आलाकत्ल की बरामदगी के लिए अभियुक्त की निशानदेही पर मौके पर जाया गया। जहां बरामदगी के उपरांत धोखे से उसी आलाकत्ल से अभियुक्त द्वारा पुलिस टीम पर फायर कर दिया बचाव में पुलिस टीम द्वारा की गयी फायरिंग में अभियुक्त घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

हरिप्रसाद की बांसुरी से महावीर की संगीत साधना का होगा श्रीगणेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। बुधवार से काशी में 102वें संकट मोचन संगीत समारोह का शुभारंभ होगा। नामचीन कलाकार और अतिथिगण विधिवत इसका उद्घाटन करेंगे। पद्मविभूषण पं. हरिप्रसाद चौरसिया की प्रस्तुति से कार्यक्रम की शुरुआत होगी। 102वें संकट मोचन संगीत समारोह का आगाज बुधवार से हो रहा है। शाम के 7.30 बजते ही मंदिर परिसर में लगे 8□12 इंच के चार एलईडी स्क्रीन और 30 से ज्यादा साउंड बॉक्स पर सुनाई देने वाली मुरली की आवाज लोगों को अपनी ओर खींचेगी। मंच पर 87 साल के पद्मविभूषण पं. हरिप्रसाद चौरसिया बांसुरी वादन से महावीर हनुमान की स्तुति कर संगीत समारोह का श्रीगणेश करेंगे। अपने तीन शागिर्द वैष्णवी जोशी-विवेक सोनार (बांसुरी) और आशीष राघवानी (तबला) के साथ 60 मिनट तक प्रस्तुति देंगे। इसके बाद 11 घंटे तक लगातार दुनिया के 30 से ज्यादा दिग्गज कलाकार अपने सुर, लय-ताल, भाव-नृत्य और वाद्य यंत्रों के तारों-ड्रम से बजरंग बली की संगीत साधना करेंगे। मंगलवार को आम भक्तों की भारी भीड़ के बीच संकट मोचन संगीत समारोह की तैयारियां होते दिखीं। प्रसाद के तौर

पर बनने वाले मालपुए की खुशबू दूर से ही आने लगी थी। वहीं, संगीत साधकों के स्वागत में पूरे मंदिर परिसर में रेड कारपेट बिछा दी गई है। मंदिर का कोना-कोना झालरों की रोशनी से जगमग करने लगा है। मानस कथा के मंच को संगीत समारोह के मंच में तब्दील कर दिया गया। दर्शकों और श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था पहले की तरह ही है। संकट मोचन मंदिर परिसर में बगीचे की ओर चित्रों की एक कला दीर्घा सजकर तैयार है। यहां पर 100 चित्रों को लगाया जाना है। कई कलाकार लाइव पेंटिंग भी करेंगे। साथ ही मूर्तिकला एग्जीबिशन और कला प्रतियोगिता भी कराई जाएगी। पेड़ पर बैठे राम-सीता कटआउट बनाने काम चल रहा था।

वन स्टाप सेन्टर का किया गया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली । मा0 अध्यक्ष, जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा वन

विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश, रायबरेली राजकुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अनुपम शौर्य द्वारा वन स्टाप सेन्टर का निरीक्षण किया गया।अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा वन स्टाप सेन्टर, रायबरेली के सम्बन्ध में उपस्थित सेन्टर मैनेजर आस्था ज्योति से जानकारी ली गयी। सेन्टर मैनेजर आस्था ज्योति द्वारा वन स्टाप सेन्टर में महिलाओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं से अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को अवगत कराया गया। सचिव द्वारा निर्देशित किया गया कि यदि किसी प्रकार की समस्या के सम्बन्ध में प्रार्थनापत्र प्राप्त हो तो अविलम्ब उसे कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रेषित करें। इसके अतिरिक्त नवांगतुक बालिकाओं/महिलाओं को विधिक अधिकार, चिकित्सकीय, मानसिक, दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुओं को नियमानुसार उपलब्ध कराये जाने की सलाह दी गयी। निरीक्षण के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा सहित काउंसलर श्रद्धा सिंह, केसवर्कर अर्चना सिन्हा व पराविधिक स्वयं सेवक पवन कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

सार्वजनिक नीलामी 1 मई को

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली ।ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ उपजिलाधिकारी सदर रायबरेली प्रफुल्ल कुमार शर्मा ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि न्यायालय देय के बकायेदार श्री जगरूप पुत्र श्री राम औतार निवासी चन्दई रघुनाथपुर पर0 व तह0 सदर जिला रायबरेली की भूमि स्थित अटौराखुर्द पर0 व तह0 सदर जिला रायबरेली की सार्वजनिक नीलामी 01 मई 2025 समय प्रातः 10:00 बजे तहसील परिसर स्थित नायब तहसीलदार नगर/ नीलाम अधिकारी के कक्ष में की जायेगी। इच्छुक बोलीदाता निर्धारित तिथि व समय स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी में प्रतिभाग कर सकते है। नीलामी सम्बन्धी शर्ते संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

रोजगार मेला का आयोजन 22 अप्रैल को

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली ।जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय, रायबरेली के तत्वावधान में 22 अप्रैल 2025 को रोजगार मेले का आयोजन कर्मयोगी डिग्री कालेज मुलिहामऊ, रायबरेली में किया जाना प्रस्तावित हैं जिसमें निजी क्षेत्र की ब्राइट फ्यूचर आर्गेनिक हर्बल, शिवशक्ति बायोटेक्नोलॉजी लि0, एस0 के0 सेफ्टी विंग्स प्राइवेट लि0, पेरेग्रीन गार्डिंग प्रा0 लि0 एवं बुसा मैनेजमेंट मार्केटिंग लि0 द्वारा डिप्लोमा, आई0टी0आई0, हाईस्कूल, इण्टर, स्नातक अभ्यर्थी के रिक्त पदों पर बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थी मेले में अपने साथ मूल शैक्षिक अभिलेख एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ सम्मिलित हो सकते है।रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिये सर्वप्रथम अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल https://ro*aarsangamed.uped.goved.in पर ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। पंजीकरण में किसी प्रकार की असुविधा होने पर जिला सेवायोजन कार्यालय, रायबरेली में संपर्क किया जा सकता है।

श्री परशुराम ब्रह्म चेतना परिषद के जिला कार्यालय का उद्घाटन रायबरेली का ब्रह्म समाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली।श्री परशुराम ब्रह्म चेतना परिषद उत्तर प्रदेश के जिला कार्यालय का इंदिरा नगर में उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम आरती पूजन के साथ संगीतमय सुंदरकांड का पाठ मनोज तिवारी एवं सहयोगियों के द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर रायबरेली जिले से बड़ी संख्या में ब्रह्म समाज एवं सर्व समाज उपस्थित रहा। संस्थापक अध्यक्ष राजेंद्र अवस्थी ने कहां कि शस्त्रऔर शास्त्र के ज्ञाता महान पराक्रमी पिता आज्ञाकारी भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव का कार्यक्रम विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। इस वर्ष यह कार्यक्रम रिफॉर्मक्लब लान बी में अक्षय तृतीया के दिन29अप्रैल को मनाया जाएगा। उक्त अवसर

पर कार्यालय में भगवान परशुराम जी के चित्र पर जिला अध्यक्ष राजेश कुमार पांडे के साथ उपस्थित सभी ब्रह्म समाज के लोगों ने माल्यार्पण करके आरती पूजन के साथ पुष्प वर्षा की, ब्रह्म समाज के जिला कार्यालय की स्थापना से ब्रह्म समाज के लोगों ने खुशी जताई। इस अवसर पर बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुख्य अतिथि के तौर पर पधारे डॉक्टर राजीव अवस्थी ने कहा कि भगवान परशुरामजी का जीवन चरित्र अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम के चरित्र में पुरुषार्थ के साथ ही संबंधों में सामंजस्य की सामर्थ्य थी । वह अपने पौरुष का उपयोग सिर्फ आताताइयों के विरुद्ध करते थे। जिला अध्यक्ष राजेश पांडेय ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि परशुराम जयंती के कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधारे। इस अवसर पर पंकज मिश्रा, अंकुर मिश्रा,शैलेंद्र अग्निहोत्री ,आर सी त्रिवेदी, कमलेश द्विवेदी, हिमांशु वाजपेई ,राजन दीक्षित, विवेक मिश्रा पल्लू , मनोज तिवारी, महेंद्र अग्रवाल, बृजेश तिवारी,रामराज गिरी, प्रफुल्ल पाठक, सुरेंद्र कुमार शुक्ला उर्फ मंटू शुक्ला, यज्ञ देव शर्मा, संतोष सिंह, रिंकू मिश्रा , वीना पांडे, रंजू सिंह ,सुशीला द्विवेदी ,नीलम पांडे ,अनीता गुप्ता ,सुमन जायसवाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

इसके विस्तार में जाएगा सगुनहा, कर्मी, धरमनपुर से दल्लीपुर मार्ग; शासन को भेजा प्रस्ताव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। पीएम मोदी ने इस कार्य का शिलान्यास कर दिया था। किसानों से उनके जमीनों के

कागजात मांगे गए हैं। करीब 51.94 करोड़ से 2.70 किमी लंबा मार्ग तैयार किया जाएगा। इसको लेकर आसपास के लोगों में काफी उत्साह है। बाबतपुर एयरपोर्ट रनवे के विस्तारीकरण में सगुनहा, कर्मी, धरमनपुर से दल्लीपुर तक की सड़क चली जाएगी। पीडब्ल्यूडी की टीम ने नए मार्ग का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2.40 किमी फोरलेन सड़क, 450 मीटर टनल निर्माण का शिलान्यास कर दिया है। इसके बाद निर्माण कार्य से जुड़ी प्रक्रियाएं शुरू हो गई हैं। जमीन अधिग्रहण में 760 किसानों की जमीन शामिल है। किसानों को नोटिस भेजा जा चुका है। जमीनों से संबंधित कागजात मांगे गए हैं। किसानों को एडीएम कार्यालय में कागजात जमा करने होंगे। एडीएम प्रशासन बिपिन कुमार ने बताया कि टनल निर्माण में सिसवां, बसनी और पुरारघुनाथपुर के 760 किसानों की जमीनें ली जाएंगी। कागजात मांगे गए हैं। मुआवजा उनके खातों में भेज दिया जाएगा। पीडब्ल्यूडी के अफसरों ने बताया कि 2.70 किमी लंबा मार्ग करीब 51.94 करोड़ से तैयार होगा। प्रस्ताव को शासन से मंजूरी मिल चुकी है। कटान रोकने के लिए बनेगी वॉल मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर मिट्टी के कटान की समस्या है। इसे देखते हुए यहां एक रिटेनिंग वॉल बनाई जाएगी। इससे कटान को रोका जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि पिछले दिनों कटान की जानकारी मिलने पर कार्यदायी एजेंसी के इंजीनियरों ने मिट्टी की जांच कराई। इसके बाद मिट्टी के दलदली होने की जानकारी मिली।

सिलिंडर में ब्लास्ट से मड़हे की छत उड़ी, मची अफरा-तफरी, एक की मौत, छह घायल, दो की हालत गंभीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर। गांव में अचानक हुए सिलिंडर ब्लास्ट से अफरा-तफरी मच गई। घटना में एक की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षादर्शियों का दावा है कि पाइप गर्म करने के दौरान मड़हे में आग लगी फिर सिलिंडर फट गया। घटना में दो पशु भी झुलसे हैं। पुलिस जांच में जुटी है। चुनार थाना क्षेत्र के मड़फा गांव में सिलिंडर फटने से मड़हे की छत उड़ गई। इस घटना में एक की मौत और चार अन्य घायल हो गए। दो को गंभीर हालत में जिला मुख्यालय पर स्थित ट्रामा सेंटर मिर्जापुर रेफर कर दिया गया। घटना में एक पशु भी झुलस

गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना उस समय घटी जब समर्सिबल लगाने के लिए गैस पर पाइप मोबिल लगा पाइप गर्म किया जा रहा था। पाइप में आग लगने के बाद मड़हा भी उसकी चपेट में आ गया और फिर सिलिंडर फट गया। आग बुझाने के दौरान पांच लोग चपेट में आ गए। पड़री थाना क्षेत्र के पथरहा निवासी ओम प्रकाश (45) मड़फा में जमीन लेकर भवन का निर्माण करा रहे थे। हैंडपंप में समर्सिबल लगाने को लेकर कार्य चल रहा था। बगल में ही छेंदी पटेल की झोपड़ी थी। ग्राम प्रधान सर्वजीत यादव ने बताया कि समर्सिबल में पाइप लगाने के लिए ओम प्रकाश व मजदूर पाइप में मोबिल लगाकर छेंदी पटेल के मड़हे में रखे गैस पर गर्म कर रहे थे। उसी दौरान मोबिल में लिपटे पाइप में आग लग गई फिर आग मड़हे में लग गई।

भाई को खोज रहा था युवक, घर के पीछे मिली लाश, शरीर पर थे चोट के निशान; परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। घर के पास लाश मिलने की सूचना पाकर कोतवाली पुलिस दिघुल गांव में पहुंच गई। युवक के शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। सोनभद्र के कोतवाली क्षेत्र के दिघुल गांव में निर्माणाधीन मकान के पीछे युवक का खून से लथपथ शव मिला। उसके शरीर पर कई जगह गहरे जख्म मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि हत्या कर युवक का शव फेंका गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।मृतक की पहचान दिघुल गांव निवासी दिनेश उर्फ संतोष यादव (25) पुत्र प्रेमचंद यादव के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, दिनेश मंगलवार शाम को घर से खाना खाने के बाद गांव में ही पुराने मकान से लगभग 500 मीटर दूर स्थित निर्माणाधीन मकान में सोने गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा। बुधवार सुबह जब वह घर नहीं पहुंचा तो परिजनों को चिंता हुई। बड़े भाई आलोक यादव ने निर्माणाधीन मकान में जाकर देखा तो चारपाई के नीचे दिनेश का जूता और खूंटी पर उसकी शर्ट टंगी मिली। इधर-उधर तलाश करने के बाद जब मकान के पीछे नजर गई तो दिनेश पेट के बल अचेत पड़ा मिला। पास जाकर देखने पर वह मृत पाया गया। परिजनों ने शव पर कई जगह चोट के निशान देखे हैं। उसके पेट और बांह पर गहरी चोटों के निशान पाए गए हैं। इस आधार पर परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। बड़े भाई आलोक यादव ने कहा कि दिनेश की हत्या कर शव को पीछे फेंका गया है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना पर क्षेत्राधिकारी प्रदीप सिंह चंदेल, कोतवाल मनोज कुमार सिंह, अमवार चौकी इंचार्ज मक्खन लाल फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। परिजनों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं। हत्या के कारणों का अभी खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

मिर्जापुर, सोनभद्र

विकास खंड चोपन क्षेत्र के अंतर्गत कोटा ग्राम पंचायत के कई टोलों में पेयजल की किल्लत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

डाला सोनभद्र। विकास खंड चोपन क्षेत्र के अंतर्गत कोटा ग्राम पंचायत बढ़ती तेज तपन व गर्मी के कारण इन क्षेत्रों का जल स्तर तेजी घट रहा है जिससे कि सरकारी हैंडपंप आवश्यकता होता है लेकिन पेयजल को लेकर कोई ठोस व्यवस्था नहीं किया गया है इससे पूर्व वर्ष में जहां

के कई टोलों में पेयजल की किल्लत तेजी से बढ रही ,हर घर नल योजना के नाम पर सचिव ग्रामीणों को घुमा रहें गोल गोल, ग्रामीणों ने जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित करवाया, लगाई गुहार बुधवार को नाबालिक सिंह कैलाश राधेश्याम परमेश्वर संत कुमार छोटे लाल सबिता नैना देवी सुनीता देवी रेनू देवी अंगद कुमार अर्जुन जगदीश जितेंद्र, लाला, कामेश्वर,, राजेश बैगा, नंदलाल, मुन्ना, दिलीप छत्रधारी सिंह ने बताया कि कोटा ग्राम पंचायत के टोला छिकराडांड, जडगा खाड़ी, भवानी कटरिया गौराही अहिराडेरा, अगरिया बस्ती,बसुधा,कजरहट,गोरा दह में पानी कम देने लगा है और कई टोला के सरकारी हैंडपंप सूखने के कगार पर है जिससे हम लोग ग्रामीणों को पानी के किल्लतो से जुझना पड रहा है वहीं इसको प्रधान व सचिव को कई बार अवगत करवाया जा चुका है लेकिन अभी तक सुध नहीं लिया गया। जहा ग्रामीणों ने यह भी बताया कि कोटा ग्राम पंचायत में हर घर नल योजना के तहत कुछ टोला में नल भी लगवाएं गए लेकिन वह भी समय पानी नहीं आता है और कुछ टोला में तो नल भी नहीं लगा है जो केवल एक मात्र हैंडपंप का सहारा है वह भी सुखने के कगार पर पहुंच गया और गर्मी में सबसे ज्यादा पानी की पानी कि कमी होता था तो पंचायत द्वारा टैंकर चलवाकर कमी को पूरा किया जाता है वहीं वर्तमान में बंद हैं जिससे परेशान होकर हम सब ग्रामीण जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित करवाया और पेयजल आपूर्ति हेतु गुहार लगाई। और विकल्प के रूप में इन क्षेत्रों में जल्द से जल्द पानी का टैंकर लगवाने का कृपा करें। इस संबंध में एडीओ पंचायत चोपन ने कहा कि जिन क्षेत्रों में हर घर नल योजना के तहत नल लगा होगा अगर वहा पेयजल की समस्या होगी तो प्रधान /सचिव से प्रत्रक मिलेगा तो वहा विकल्प के रूप में पानी का टैंकर लगवाएं जायेंगे।

हजरत मीरान शाह बाबा उर्स मेला के सम्बन्ध में हुई बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

डाला सोनभद्र। सोनभद्र । हजरत जिलाधिकारी सदर उत्कर्ष द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी सदर रणधीर कुमार

मीरान शाह बाबा उर्स मेला के आयोजन एवं शान्ति व्यवस्था को लेकर बुधवार को उप मिश्रा व थानाध्यक्ष रामपुर बरकोनिया कमलनयन दुबे के द्वारा थाना रामपुर बरकोनिया पर विजयगढ़ किला ग्राम मऊकलाँ पर 23.04.2025 को आयोजित होने वाले हजरत मीरान शाह बाबा उर्स मेला के आयोजन एवं शान्ति व्यवस्था को बनाए रखते हुए आयोजित होने वाले कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु इन्तजामिया कमेटि व हिन्दू मुस्लिम पक्ष के धर्मगुरुओं और अन्य सम्भ्रान्त व्यक्तियों की मीटिंग की गई । जिस पर आयोजित कार्यक्रम उर्स मेला को सौहार्दपूर्ण/सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु विस्तार से चर्चा की गई तथा उच्चाधिकारियों द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये ।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति विचार गोष्ठी हुई सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय सोनभद्र पर आगामी कार्यक्रम अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति विचार गोष्ठी या अपने समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी लोगो को इस कार्यक्रम मे बुलाना है, और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के विचारों को आज कौन से राजनैतिक

हेतु बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक मे बतौर मुख्यअतिथि जिला प्रभारी अनिल सिंह मौजूद रहे, बैठक का शुभारंम्भ पं0 दीनदयाल उपाध्याय व डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर किया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल व संचालन जिला मंत्री/ अभियान संयोजक संतोष शुक्ला ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी अनिल सिंह ने कहा कि संगठन द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के अन्तर्गत आने वाले 23 अप्रैल को अनूसचित जाति/ जनजाति विचार गोष्ठी का आयोजन होना है, जिसकी तैयारी हेतु आज यह बैठक बुलायी गयी है। विचार गोष्ठी कार्यक्रम में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के ऐसे नेता दल की सरकार आगे बढ़ा रही है। इस पर विस्तृत चर्चा इन समाज के बीच में करना है जिसमें हम यह कह सकते है कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली मोदी की सरकार ने बाबा साहब के विचारों की प्रेरणा से लगातार काम कर रही है, जिसमें शोषित वंचित दलित समाज के लोगो का उत्थान हो रहा है। केन्द्र व राज्य सरकार की बहुत सारी योजनाएं जो इन समाज के लोगो को ध्यान मे रखकर बनायी गयी है। और आज उसका लाभ इन सभी लोगो को मिल रहा है। बाबा साहब ने धारा 370 का उस समय पुरजोर विरोध किया था और उन्होने यह भी कहा था कि जब देश मे भ्रष्टाचार चरम पर हो जाये तो देश की करंसी को भी समय समय पर बदलते रहना चाहिए। आज उन्ही के विचारों को मोदी जी ने पूर्ण करके दिखाया है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने कहा कि होने वाली विचार गोष्ठी में अनुसूचित जाति/जनजाति के लगभग सभी जाति व समुदाय के लोगो की सहभागिता होगी जिसमें बाबा साहब के विचारों का आदान प्रदान किया जायेगा। बाबा साहब के पाथेय जिसकी परिकल्पना थी अन्त्योदय, आज बाबा साहब के नाम पर तमाम राजनीतिक दल अपनी रोटी सेंकते है और उनके सिद्धांतो उनकी परिकल्पना को भूल जाते है, विगत 70 सालों से देश में कांग्रेस की सरकार रही परन्तु बाबा साहब को भारत रत्न का सम्मान नही दे सकी लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने बाबा साहब को भारत रत्न देकर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित किया है। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश मिश्रा, धर्मवीर तिवारी, अजीत चौबे, क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा अजीत रावत, नगर पालिका चेयरमैन रुबी प्रसाद, , जीत सिंह खरवार, शारदा खरवार, कृष्णमुरारी गुप्ता, शंम्भू नारायण सिंह, कमलेश चौबे, बृजेश श्रीवास्तव, पुष्पा सिंह, यादवेन्द्र द्विवेदी, सरजू बैसवार, अमरेश चेरो, रजनीश रघुवंशी, अतुल पाण्डेय, पन्नालाल पासवान, मनोज सोनकर, मणिकर्णिका कोल, सुषमा गोंड, ज्योति खरवार, नागेश्वर गोंड, रामनिवास तोमर सहित आदि कार्यकर्ता व पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

मकरसन आटोमोटिव इलेस्टोमर्स टेक्नोलाजी ने 112 छात्रों को चयनित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। नगर स्थित ज्ञान गंगा आई0टी0आई0 राबर्ट्सगंज सोनभद्र में मकरसन आटोमोटिव इलेस्टोमर्स टेक्नोलाजी नोएडा द्वारा आई0टी0आई0 उत्तीर्ण छात्रों के लिए प्लेसमेंट/अपेन्टिशशीप का अवसर प्रदान किया गया, जिसका उ?द्घाटन नोडल प्रधानाचार्य राजकीय आई0टी0आई0 बुद्धी रविन्द्र पटेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान के इलेक्ट्रीफल ट्रेड के 68 छात्र एवं फिटर ट्रेड के 44 छात्र, कुल 112 छात्रों को चयनित किया गया। इस अवसर पर कम्पनी के एच0आर0 एवं एडमिन संजीव सिंह ने बताया कि यह एक अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनी है जो योग्य बच्चों के भविष्य को संवारने के साथ ही उन्हें स्थायी करने पर भी तत्परता से कार्य कर रही है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इस सुनहरे अवसर का लाभ अधिक से अधिक छात्रों को लेना चाहिए। नोडल प्रधानाचार्य ने बच्चों को होमसीकनेश छोड़ कर बाहर निकल कर अपने भविष्य निर्माण की बात कही एवं उन्हें प्रोत्साहित किया। संस्थान के प्रबन्धक इं0 कमलदेव चौधरी ने संस्थान के छात्रों की गुणवत्ता पूर्ण ट्रेनिंग एवं प्लेसमेन्ट के लिए सबको आश्यवस्त किया एवं चयनित बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दी। प्रधानाचार्य इं0 अभिषेक यादव ने इस प्लेसमेन्ट ड्राइव की सफलता के लिए समस्त शिक्षकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किये। प्लेसमेन्ट के कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षक विनोद कुमार, श्रीकान्त, विनोद कुमार द्वितीय एजाज, अजय कुमार, विकाश कुमार आदि उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन बलराम कृष्ण यादव ने किया।

विजयगढ़ दुर्ग में धार्मिक मेले का भव्य समापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रामगढ़,सोनभद्र। विजयगढ़ दुर्ग में आयोजित दो दिवसीय धार्मिक मेले का रविवार को भव्य समापन हो

गया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भगवान की भक्ति में डूब गए। मेले के दौरान अखण्ड हरिकीर्तन का समापन, हनुमान जयंती के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना, भगवाध्वज पूजन और धर्म सभा का आयोजन किया गया। संत सम्मेलन में विभिन्न संतों ने अपने विचार व्यक्त किए और श्रद्धालुओं को धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों के बारे में बताया। श्री रामसरोवर में गणेश आरती और हवन का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। भण्डारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की सराहना की। विन्ध्य क्षेत्र कल्याण (संरक्षण) समिति के आयोजक मंडल के अध्यक्ष रवि चोबे ने बताया कि इस मेले का उद्देश्य लोगों को धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ना है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं, संतों और अतिथियों का धन्यवाद दिया और कहा कि उनकी उपस्थिति और सहयोग से ही यह आयोजन सफल हो सका। आगे भी इस तरह के आयोजन किए जाएंगे ताकि लोगों को धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ा जा सके। विजयगढ़ दुर्ग में आयोजित इस धार्मिक मेले में लोगों का कहना है कि इस तरह के आयोजन से लोगों को धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूक किया जा सकता है।इस दौरान- स्वामी ध्यानानन्द (महन्त,- बाबा शरणानन्द (पुजारी- पं. चंदन ओझा (पुरो.),- अखिलेश सिंह, दीपक सिंह और अशोक गोस्वामी (सहसंयोजक)- महा मण्डलेश्वर संतगण गुप्त काशी,- श्री प्रवीण सिंह पूर्व ब्लॉक प्रमुख नगवा, रवि चोबे (मेला संयोजक,- वैद्य श्रवण कुमार (कोषाध्यक्ष / क्षेत्रीय अध्यक्ष),- मनीष सिंह (कार्यवाहक अध्यक्ष),- पं. कैलाश देव पाण्डेय (कार्यकारी अध्यक्ष)- संरक्षक मंडल।

त्रिविध पावनी बुद्ध पूर्णिमा अर्थात जन्म, ज्ञान प्राप्ति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पिछले सोमवार को त्रिविध पावनी बुद्ध पूर्णिमा अर्थात जन्म, ज्ञान प्राप्ति व देहावसान बैशाख

पूर्णिमा/बुद्ध पूर्णिमा हर्षो उल्लास के साथ मनाए जाने के संबंध में सर्व प्रथम तथागत बुद्ध विहार निकट रेलवे फाटक राबर्ट्सगंज सोनभद्र में प्रातः 8.00 बजे त्रिशरण एवं पंचशील कराने के बाद सुबह 9.30 बजे धम्मं बंधुओं के साथ धम्मं प्रभातफेरी/ शोभायात्रा तथागत बुद्ध विहार से प्रारम्भ होकर राबर्ट्सगंज नगर में धर्मशाला चौराहा से चंडी होटल होकर बढ़ौली चौराहा से धम्मं घोष व नारे के साथ जुलूस तथागत बुद्ध विहार पर समापन करने पर विचार विमर्श किया गया व अन्य कई विषयो पर चर्चा हुई यह बैठक रोडवेज रोड राबर्ट्सगंज राज ट्रेडर्स के समीप बुधवार को संपन्न हुआ जिसमें सुमंत सिंह मौर्य,गोपाल जी निराला,उमेश सिंह वुशवाहा,रमेश गुप्ता, अनिरुद्ध,अनिल कुमार सिंह,जितेंद्र कुमार,नरेंद्र प्रताप मौर्य,रवि रंजन शाक्य सुनील कुमार सिंह ,शुभम सिंह आदि उपासक उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने जुलूस निकालकर कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किए जाने का विरोध शुरू हो गया है। बुधवार को कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने इसके

खिलाफ पार्टी के जिला कार्यालय से जुलूस निकाला जो कलेक्ट्रेट तक पहुंचा। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने जुलूस को बीच में ही रोकने का प्रयास किया, जिस पर कांग्रेसियों से उनकी जमकर कहासुनी हुई। हालांकि बाद में प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने कांग्रेसियों को उनकी मांग के अनुसार कलेक्ट्रेट तक जाने की अनुमति दी। फिर वहां कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन अपर जिला अधिकारी नमामि गंगे को सौंपा। इसके पूर्व कांग्रेस के जिला कार्यालय पर हुई बैठक में जिलाध्यक्ष रामराज गोड व शहर अध्यक्ष हाजी फरीद अहमद ने कहा कि भाजपा सरकार का कांग्रेस मुक्त भारत का सपना कभी पूरा नहीं होगा। कांग्रेस का इतिहास आजादी के आंदोलन से जुड़ा हुआ है। ईडी, सीबीआई और अन्य जांच एजेंसियां लगाकर भाजपा किसी भी हाल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को डरा नहीं सकती। आने वाला समय कांग्रेस का है। इससे भाजपा डरी हुई है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सदस्य नूरुद्दीन खान व पूर्व शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा सरकार नेताओं के उत्पीड़न के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। दिल्ली चुनाव के दौरान भाजपा ने तमाम तरह की कार्रवाई कराई। अब एक बार फिर जब आने वाले समय में विभिन्न राज्यों के चुनाव होने वाले हैं ऐसे में डरी हुई भाजपा कांग्रेसियों का उत्पीड़न करने में जुट गई है। पूर्व प्रदेश सचिव जितेंद्र पासवान व पूर्व जिला उपाध्यक्ष बृजेश तिवारी ने कहा कि बुनियादी मुद्दों से भटक चुकी भाजपा सिर्फ जाति, धर्म और नफरत की राजनीति कर रही है। जनता इसे समझ रही है। आने वाले समय में जनता इसका मुंहतोड़ जवाब देगी।

शिक्षित बनो, संगठित रहो ,संघर्ष करोः बसंती देवी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। खलियारी, सोनभद्र के विकास खंड नगवा के खलियारी में भारतीय संविधान निर्माता, आधुनिक समाज के लोगों की आर्थिक सामाजिक राजनीतिक परिस्थितियों को समझकर एक सूत्र में बाधने का सा थक प्रयास किए है रामजग

भारत के राष्ट निर्माता, ज्ञान के दीपक, गरीबों के मसीहा, विश्व ज्ञान के प्रतीक डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती का आयोजन किया गया त् एच आर डी कमलेश कुमार ने बताया कि समता मूलक समाज के ध्येता थे अंबेडकर और समाज की नई रूप रेखा तैयार कराने में अंबेडकर का अहम योगदान रहा हैं इसके साथ साथ आप ने हर खरवार ने बताया कि भारत की सामाजिक सद्भाव के आत्मा थे अंबेडकर इस लिए हमें उनके विचार धारा और आदर्श को आगे ले जाने की जरूरत है जसवंत खरवार ने बताया कि आज भी आपके बताए गए रास्ते पर हम सभी चलने का प्रयास करते है आप ने समाज के हर एक तप्ते को नई राह दी त् वही सामाजिक कार्यकर्ता प इस्लाम अली ने बताया कि आधुनिक भारत के राष्ट निर्माता थे अंबेडकर , और अंबेडकर समाज सुधारक के साथ दूरदर्शी नेता थे त् प्रमोद कुमार ने अंबेडकर जी के शब्दों को कोड करते हुए बताए कि शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो जितने पिएगा ओ उतना ही दहाड़ेगा भारत में समता मूलक समाज की स्थापना कराने में अहम भूमिका निभाई त् वही संगठन साथी डॉ .जितेंद्र ने कहा कि भारत को एकता की सूत्र में पिरोने में अंबेडकर जी का अहम योगदान रहा है त् श्याम लाल ने बताया कि समाज को अंबेडकर जी के बताए हुए मार्ग पर चलने की जरूरत है त्और उनकी जीवनी को अपने अंदर उतारने की ज़रूरत है त् बसंती देवी ने कहा हम सभी को जाति धर्म मजहब से ऊपर उठकर देश हित के लिए खड़े रहे आज समाज में हम लोगों को भी चाहिए कि हर एक लोगों के साथ कदम से कदम मिलाकर चले और उनका साथ दे त् बैठक में प्रमोद, चंदा देवी , जसवंत, भुनेश्वर , जितेंद्र , रविंद्र बसती देवी , शिला देवी, संजीव, लक्ष्मण खरवार, संतोष, रामजग आदि संगठन के साथी उपस्थित रहे।

थर्मल टाइटन्स ने 12 रन से ईएण्ड आई को पराजित कर विजयी होने का गौरव हासिल किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

अनपरा सोनभद्र। हिंडालको रेनुपावर जीतकर पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया । इस अवसर पर एन्ड आई के हेड दीपक पांडेय के शानदार बैटिंग के आगाज से 5

डिवीजन रेनुसागर एवं फोनिक्स क्लब रेनुसागर के संयुक्त तत्वाधान में आदित्य बिड़ला इंटर मीडिएट कालेज के ग्राउण्ड में मंगलवार की देर शाम सर्किल क्रिकेट चैम्पियनशीप की कड़े मुकाबले में थर्मल टाइटन्स की टीम ने कप्तान दीपक लाल के नेतृत्व में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुये 12 रन से ई एन्ड आई टीम को पराजित कर विजयी होने का गौरव प्राप्त किया । गौरतलब है कि हिन्डाल्को रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह के मार्गदर्शन में यह प्रतियोगिता चल रहा है जिसमें कुल 24 टीमों ने प्रतिभाग किया है।बताते चले कि सर्किल क्रिकेट चैम्पियनशीप क्रिकेट मैच का मुकावला थर्मल टाइटन्स और ई एन्ड आई के बीच में था।थर्मल टाइटन्स ने टॉस हिंडालको रेनुसागर के ईआर हेड मृदुल भारद्वाज ने खिलाड़ियों से परिचय लेते हुये टॉस कराकर का मैच का शुभारंभ किया।थर्मल टाइटन्स की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुये मेराज के शानदार 9 चौके की मदद से 47 रन ,पवन एवं अनुज के चार और तीन चौके की मदद से दोनों ने 21 रन बनायें वही कप्तान दीपक लाल ने 3 गेंद पर तीन चौके जड़ कर 12 रनो के वदौलत अपनी टीम का स्कोर 2 विकेट खोकर 103 रन बनायी। प्रभात पांडेय एवं विजय ने अपने टीम के लिए महत्वपूर्ण एक-एक विकेट चटकाये।रोमांचक मैच के जबाब में खेलने उतरी ई एन्ड आई की टीम के कप्तान प्रभात पांडेय के निजी स्कोर 23 रन ई चौबे ने बताया कि किन्नर संत महामंडलेश्वर हेमलता विश्व की दूसरी किन्नर विद्वान कथा वाचक हैं। अभी हाल ही में प्रयागराज में संपन्न महाकुंभ में किन्नर अखाड़े में सबसे ज्यादा भीड़ होती थी, लेकिन काफी संख्या में श्रद्धालु आशीर्वाद नहीं ले पाए, किन्नर अखाड़े ने यह निर्णय लिया कि किन्नर संत सीधे भक्तों के पास पहुंचे और उन्हें आशीर्वाद दें। 6 दिवसीय कथा में सुबह 6 बजे से 9 बजे तक हवन यज्ञ होगा और शाम को 6 बजे से 9 बजे तक प्रवचन और कथा होगी, तत्पश्चात वृंदावन से पधारे कलाकार कृष्ण लीला का मंचन करेंगे। इस कथा में ऐसे किन्नर संत भी श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देंगे जिनका सामान्य रूप से दर्शन दुर्लभ चौके की मदद से 28 रनो के वदौलत टीम ने 10 ओवर में 3 विकेट खोकर 91 रन ही बना पाई ।वही दीपक लाल ने अपने टीम के लिये महत्वपूर्ण 2 विकेट और अनुज ने एक विकेट अपने टीम के लिये चटकाये।इस तरह थर्मल टाइटन्स की टीम 12 रन से विजयी रहीं।मैच में अंपायर दीपांश एवं रूपम रहे ।आँखों देखा हाल विल्सन ने सुनाया।इस अवसर हिंडाल्को रेनुसागर ई एन्ड आई हेड दीपक पांडेय, कुमार हर्षवर्धन ,मनोरंजन ,फोनिक्स क्लब रेनुसागर के सचिव सुधाकर अन्नामलाई, क्रीडा सचिव राजीव मिश्रा,इमरान खान एवं मान्यता प्राप्त यूनियन के पदाधिकारी सहित भारी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

सोनभद्र में पहली बार किन्नर अखाड़े का महायज्ञ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जिले में पहली बार किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर संत

हेमलता सखी द्वारा एक अर्ध नारिश्वर महायज्ञ शुरू होने जा रहा है, राबर्ट्सगंज के ओरगाइ में 19 अप्रैल से 25 अप्रैल तक इस महायज्ञ का आयोजन किया गया है। संयोजक मंडल के सदस्य अशोक है। इस अवसर पर किन्नर अघोरी संत चंचल नाथ जी के आने की भी संभावना है। कुछ विदेशी युवतियां जिनकी सनातन धर्म में आस्था है, उन्होंने भी कथा श्रवण की सूचना भेजी है। 18 अप्रैल को वैदिक जागरण के तहत कलश यात्रा निकाली जाएगी और 19 अप्रैल से महायज्ञ और कथा का कार्यक्रम विधिवत प्रारंभ हो जाएगा । राकेश त्रिपाठी उर्फ शिशु त्रिपाठी ने बताया कि किन्नर समुदाय को प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद है कि उनकी वाणी सत्य होती है। श्री त्रिपाठी ने बताया कि यह जनपद का सौभाग्य है कि किन्नर अखाड़े की परमविद्वान महामंडलेश्वर यहां पधारी हैं और जिलेवासियों के सर्व कल्याण के लिए यज्ञ करने जा रही हैं।

प्लास्टिक मुक्त अभियान का प्रतीक चिन्ह डीएम सीडीओ को भेट कर शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। प्लास्टिक मुक्त अभियान को व्यापक बनाने के लिए तथा इसको जन जन तक पहुंचाने के लिए एवं जनपद में चल रहे प्लास्टिक मुक्त अभियान का प्रतीक चिन्ह सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को भेंट किया जाएगा। प्रतीक चिन्ह में बोरी लगाया गया है। क्यों कि सभी कूड़ो से प्लास्टिक को अलग किया जाना अत्यंत जरूरी है क्यों कि प्लास्टिक जैसे ही किसी कूड़े में या जमीन पर मिलता है नुकसान शुरू हो जाता है। घरों पर घर से ही बोरी मांगी जा रही है जिससे लाभार्थी का सहयोग और जुड़ाव इस अभियान से हो सके।प्रतीक चिन्ह में एक बोरी लगाया गया है जिस पर मेरा प्लास्टिक- मेरी जिम्मेदारी लिखा हुआ है तथा प्रतीक चिन्ह परक्ष्प्लास्टिकञ् मुक्तञ् सोनभद्र लिखा हुआ है, जिससे सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के लिए इस हेज टैग को प्रमोट किया जा सके। आज जिला पंचायत अधिकारी नमिता शरण ने जिलाधिकारी सोनभद्र बद्री नाथ सिंह और मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी को प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनके टेबल पर रखा गया। जिस पर जिलाधिकारी बी एन सिंह द्वारा कहा गया कि यह प्रतीक चिन्ह जनपद में चल रहे मेरा प्लास्टिक मेरी जिम्मेदारी अभियान का एक अच्छा चिन्ह बनाया है जिससे प्लास्टिक को लेकर अपनी जिम्मेदारी का अहसास कराएगा। उन्होंने लोगो से अपील की कि यह अभियान बहुत ही सरल है जिससे हम पर्यावरण को बचा सकते हैं, लोगों को केवल इतना करना है कि घर पर एक बोरी टांगें एवं प्रयोग किए हुए सभी प्लास्टिक उसी बोरी में रखें जिससे की प्लास्टिक वातावरण में नहीं फैलेगा और उसे पर्यावरण, मनुष्य तथा लोगों को नुकसान नहीं होगा। प्लास्टिक बोरी में रखने से नाला एवं नालियां चोक नहीं होंगी। नदियां और समुद्र में प्लास्टिक नहीं जाएगा। बोरी में से कलेक्ट हुए प्लास्टिक को निस्तारण के लिए भेज दिया जाएगा। कुछ प्लास्टिक को बेचकर ग्राम पंचायत का आए भी बढ़ेगा। मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने कहा कि यह चिन्ह अभियान के जिम्मेदारी को दर्शाता है।

स्पोर्ट्स

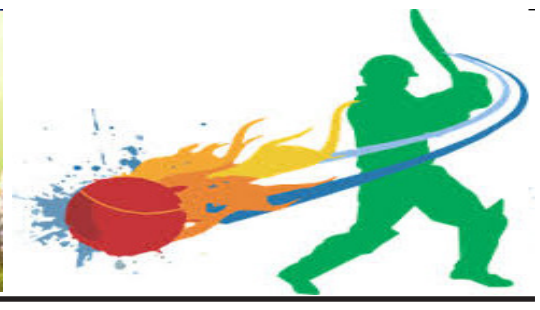

46 साल की उम्र में पिता बने जहीर खान, पत्नी सागरिका ने बेटे को दिया जन्म, साझा की पहली तस्वीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान और उनकी पत्नी सागरिका घटगे ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। दोनों ने बेटे का नाम फतेहसिंह खान रखा है। दंपति ने बुधवार को एक संयुक्त पोस्ट साझा किया और इसकी पुष्टि की। इस कपल ने जो तस्वीरें साझा की हैं उसमें जहीर खान को बेटे को गोद में उठाए हुए देखा जा सकता है, जबकि सागरिका जहीर के कंधों पर हाथ रखी हुई हैं। एक और फोटो में जहीर बेटे का हाथ थामे हुए देखे जा सकते हैं। ग्रे-स्केल तस्वीर को साझा करते हुए इस कपल ने लिखा, 'आपके प्यार, कृतज्ञता और ऊपर वाले के आशीर्वाद से हम अपने बेटे फतेहसिंह खान का इस दुनिया में स्वागत करते हैं।' इसके बाद यह पोस्ट बधाई संदेशों से भर गया। अंगद बेदी ने लिखा, 'वाहेगुरु।' हरभजन सिंह ने लिखा, 'आप दोनों को बधाई। वाहेगुरु मेहर करे।' प्रज्ञा कपूर ने लिखा, 'बधाई हो।' वहीं, सारा तेंदुलकर ने लिखा, 'सबसे अच्छी खबर।' सुरेश रैना ने लिखा, 'बहुत-बहुत बधाई।' आकाश चोपड़ा ने लिखा, 'आप दोनों को बधाई। बहुत सारा प्यार और आशीर्वाद।' पूर्व क्रिकेटर आरपी सिंह, सूर्यकुमार यादव की पत्नी देविशा शेट्टी, अभिनेत्री डायना पेंटी, पूर्व क्रिकेटर राहुल शर्मा, क्विंटन डिकॉक की पत्नी शाशा डिकॉक, अभिनेत्री हुमा कुरैशी, वीरेंद्र सहवाग की पत्नी आरती सहवाग ने भी कमेंट के जरिये जहीर और सागरिका को बधाई दी है। दोनों की शादी नवंबर 2017 में हुई थी। फिलहाल जहीर 46 साल के और सागरिका 39 साल की हैं। जहीर फिलहाल लखनऊ सुपर जाएंट्स के मेंटर हैं। उनकी देखरेख में लखनऊ की टीम का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में शानदार रहा है। लखनऊ की टीम अब तक सात में से चार मैच जीत चुकी है और तीन मैच गंवाए हैं। टीम के आठ अंक हैं और नेट रन रेट ₹0.086 है। लखनऊ की टीम अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। ग्रे-स्केल तस्वीर को साझा करते हुए इस कपल ने लिखा, 'आपके प्यार, कृतज्ञता और ऊपर वाले के आशीर्वाद से हम अपने बेटे फतेहसिंह खान का इस दुनिया में स्वागत करते हैं।

15 गेंदों के शेष रहते कोलकाता ने हासिल किया लक्ष्य, अंक तालिका में हुआ बड़ा बदलाव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कोलकाता ने इस जीत के सात अंक तालिका में छठा स्थान हासिल कर लिया है। उसके खाते में दो अंक और नेट रनरेट -0.308 का हो गया। वहीं, राजस्थान लगातार दो मैचों में शिकस्त के साथ निचले पायदान पर पहुंच गई। सनराइजर्स हैदराबाद दो अंक और 2.200 के नेट रनरेट के साथ शीर्ष पर है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को आठ विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल कर ली। बुधवार को गुवाहाटी के बारसपारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स ने 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 151 रन बनाए। जवाब में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 17.3 ओवर में दो विकेट गंवाकर 153 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।कोलकाता ने इस जीत के

का हो गया। वहीं, राजस्थान लगातार दो मैचों में शिकस्त के साथ निचले पायदान पर पहुंच गई। सनराइजर्स हैदराबाद दो अंक और 2.200 के नेट रनरेट के साथ शीर्ष पर है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को आठ विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल कर ली। बुधवार को गुवाहाटी के बारसपारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स ने 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 151 सात अंक तालिका में छठा स्थान हासिल कर लिया है। उसके खाते में दो अंक और नेट रनरेट -0.308 का हो गया। वहीं, राजस्थान लगातार दो मैचों में शिकस्त के साथ निचले पायदान पर पहुंच गई। सनराइजर्स हैदराबाद दो अंक और 2.200 के नेट रनरेट के साथ शीर्ष पर है। 152 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर को मोईन अली और क्विंटन डिकॉक ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 41 रनों की साझेदारी हुई। अली को महीश तीक्षणा ने रनआउट किया।

'दिल टूट गया रॉयल्स के कोच राहुल द्रविड़ को व्हीलचेयर पर देखकर फैंस हुए दुखा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। यह दिग्गज खिलाड़ी फिलहाल बिना बैसाखी के नहीं चल पा रहा है और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आरआर की हालिया हार के बाद वह व्हील चेयर में मैदान के चारों ओर घूमते हुए नजर आए। राहुल द्रविड़ की

कोचिंग में राजस्थान रॉयल्स की आईपीएल 2025 की शुरुआत खराब रही है। पहले दो मैचों में दो हार के साथ आरआर -1.882 के नेट रन-रेट के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे है। आईपीएल 2025 से पहले द्रविड़ को एक क्लब चैरिटी मैच में खेलते समय पैर में चोट लग गई थी और वह अपने बाएं पैर पर बैंडेज के साथ आरआर कैंप में पहुंचे। यह दिग्गज खिलाड़ी फिलहाल बिना बैसाखी के नहीं चल पा रहा है और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आरआर की हालिया हार के बाद वह व्हील चेयर में मैदान के चारों ओर घूमते हुए नजर आए। व्हीलचेयर पर द्रविड़ की तस्वीर और वीडियो वायरल हो गया है। सोशल मीडिया यूजर्स इस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और दुख व्यक्त कर रहे हैं। आईपीएल 2025 से पहले आरआर ने सोशल मीडिया पर एक फोटो साझा की थी, जिसमें उन्होंने लिखा था, 'मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को बंगलूरू में क्रिकेट खेलते समय चोट लग गई। वह फिलहाल रिहैब में हैं और जल्द जयपुर में हमारे साथ जुड़ेंगे।' इसके बाद उनकी सबसे पहली तस्वीर बैसाखी के सहारे चलते हुए आई थी। फैंस इसे देखकर चौंक गए थे। अभी भी फैंस उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। द्रविड़ की कोचिंग में भारत ने पिछले साल टी20 विश्व कप अपने नाम किया था। द्रविड़ राजस्थान रॉयल्स के पूर्व कप्तान रह चुके हैं और 2011 से 2015 तक फ्रेंचाइजी के साथ पांच सत्र बिताए थे।

दूसरी गेंद का नियम पहली बार आईपीएल में हुआ इस्तेमाल, राजस्थान इसका उपयोग करने वाली पहली टीम बनी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बारासपारा मैदान की पिच पर गेंद रूक कर आ रही थी और पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद राजस्थान के बल्लेबाज अपने घरेलू मैदान पर सामंजस्य बैठाने के लिए संघर्ष करने के बावजूद राजस्थान रॉयल्स को केकेआर के खिलाफ आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। यह उनकी लगातार दूसरी हार रही। क्विंटन डिकॉक की 61 गेंदों पर नाबाद 97 रनों की शानदार पारी की बदौलत कोलकाता ने इस सीजन में अपनी पहली जीत दर्ज की।शाम को खेले जाने वाले मैचों में अगर अंपायरों को लगता है कि ओस खेल पर अपना प्रभाव डाल रही है तो वह दूसरी पारी के 11वें ओवर से नई गेंद का इस्तेमाल करने की अनुमति दे सकते हैं। शाम को होने वाले मैचों पर यह नियम लागू होगा। दोपहर में होने वाले मैचों पर यह नियम लागू नहीं होगा। इससे हाईस्कोरिंग मैचों को बनाए रखने में मदद मिलेगी। ताकि दोनों पारी में खेल संतुलित रहे और चेज करने वाली टीम को ओस की मदद न मिले। अक्सर शाम के मैचों में ओस का प्रभाव देखते हुए टॉस जीतने पर टीमें पहले गेंदबाजी का फैसला करती दिखती हैं। इससे अब खेल बैलेंस्ड होगा।

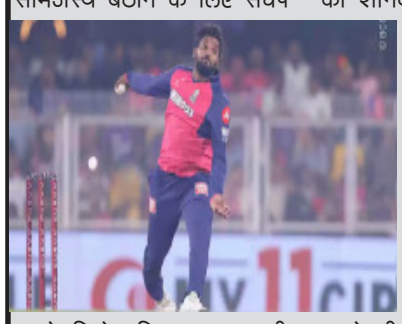

करते दिखे। रियान पराग की कप्तानी में यह राजस्थान की लगातार दूसरी हार रही। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच 26 मार्च को गुवाहाटी में खेले गए मैच में पहली बार दूसरी गेंद का नियम देखने को मिला। कार्यवाहक कप्तान रियान पराग के मार्गदर्शन में राजस्थान रॉयल्स ने केकेआर की पारी के 17वें ओवर में गेंद बदलने का अनुरोध किया, लेकिन यह मैच का पासा पलटने के लिए काफी नहीं था। नए नियम का इस्तेमाल

रियान पराग को आउट करने के लिए ये क्या कर बैठे क्विंटन डिकॉक कैच लेने से पहले फेंका हेलमेट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने कुछ ऐसा किया जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। गुवाहाटी के बारसपारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में गत विजेता केकेआर ने राजस्थान को आठ विकेट से हराकर जीत का खाता खोला। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने कुछ ऐसा किया जिसे देखकर प्रशंसक दंग रह गए। दरअसल, केकेआर के लिए विकेटकीपिंग कर रहे डिकॉक ने राजस्थान के कार्यवाहक कप्तान रियान का कैच लेने से पहले अपना हेलमेट दूर फेंक दिया। यह घटना आठवें ओवर की पांचवीं गेंद पर हुई जब वरुण चक्रवर्ती की ऑफ स्टंप के बाहर आती गेंद पर रियान ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की लेकिन वह इसमें सफल नहीं हुए और गेंद बल्ले के निचले किनारे से लगकर हवा में काफी ऊपर चली गई। डिकॉक ने बिना मौका गंवाए अपना हेलमेट उतारा और दूर फेंका। इसके बाद उन्होंने कैच लपककर पराग को पवेलियन लौटने पर मजबूर कर दिया। अपने होमग्राउंड पर आईपीएल के इस सत्र का दूसरा मुकाबला खेलने उतरे रियान ने 15 गेंदों में 25 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से तीन ताबड़तोड़ छक्के निकले। हालांकि, वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। लगातार दूसरे मैच में मिली शिकस्त के साथ राजस्थान रॉयल्स अंक तालिका में निचले स्थान पर खिसक गई जबकि केकेआर छठे पायदान पहुंच गई।

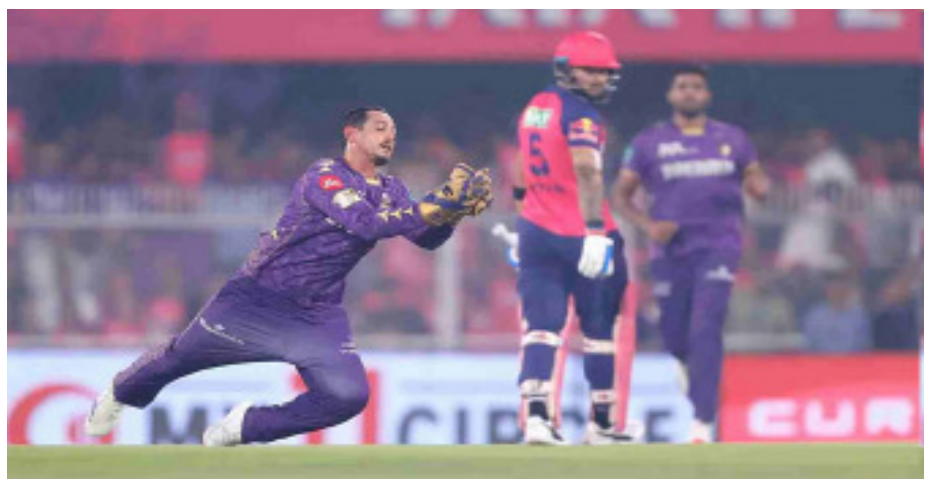

राजस्थान के खिलाफ मैच में क्यों नहीं खेल रहे सुनील नरेन कप्तान अजिंक्य रहाणे ने बताई वजह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राजस्थान और केकेआर के बीच बराबरी का मुकाबला है। दोनों टीमों के हेड टु हेड की बात करें तो राजस्थान और केकेआर के बीच आईपीएल में अब तक कुल 29 मैच हुए हैं जिसमें दोनों ही टीमों ने 14-14 मुकाबले जीते हैं, जबकि एक मैच बेनतीजा रहा है आईपीएल 2025 का छठा मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जा रहा है। इस मैच में गत विजेता केकेआर स्टार ऑलराउंडर सुनील नरेन के बगैर उतरी है। टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस के बाद इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी अस्वस्थ हैं, इसलिए उन्हें इस मैच में आराम दिया गया है।हार के साथ आईपीएल 2025 सीजन की शुरुआत करने वाली गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स की टीम की नजरें जीत की पटरी पर लौटने पर हैं। कोलकाता को पहले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार मिली, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान को हराया था। इस मैच में केकेआर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है।

कप्तान अजिंक्य रहाणे ने बताया कि सुनील नरेन की जगह मोईन अली को प्लेइंग 11 में शामिल किया गया है। वह इस मुकाबले के जरिए राजस्थान के लिए आईपीएल में डेब्यू कर रहे हैं। राजस्थान और केकेआर के बीच बराबरी का मुकाबला है। दोनों टीमों के हेड टु हेड की बात करें तो राजस्थान और केकेआर के बीच आईपीएल में अब तक कुल 29 मैच हुए हैं जिसमें ने दोनों ही टीमों ने 14-14 मुकाबले जीते हैं, जबकि एक मैच बेनतीजा रहा है। राजस्थान और कोलकाता की टीमें इस सीजन अपने पहले मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में आक्रामकता दिखाने में असफल रही। दोनों टीमें अब वापसी करना चाहेंगी। राजस्थान रॉयल्सः यशस्वी जयसवाल, संजू सैमसन, नीतीश राणा, रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरन हेटमायर, वानिंदु हसरंगा, जोफ्रा आर्चर, महीश तीक्षणा, तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयर्सः कुणाल सिंह राठौड़, शुभम दुबे, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय, क्वेन मफाका। कोलकाता नाइट राइडर्सः क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, मोइन अली, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, स्पेंसर जॉनसन, वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती। इम्पैक्ट प्लेयर्सः एनरिक नॉर्त्जे, मनीष पांडे, अंगकृष रघुवंशी, अनुकूल रॉय, लवनीथ सिसोदिया।

राशि फल

मेष कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

वृषभ आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

मिथुन किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

कर्क आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

सिंह आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कन्या नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

तुला आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

वृश्चिक आज आप पतने के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

धनु स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

मकर आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

कुंभ आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मीन मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

पंजाब ने कोलकाता को दिए दो गहरे जख्म; 2024 में सबसे बड़ा चेज किया, अब सबसे छोटे लक्ष्य का किया बचाव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कोलकाता को दोनों बार पंजाब का दंभ झेलना पड़ा है और दोनों मैच में उनके पास पंजाब के खिलाड़ियों का कोई जवाब नहीं रहा। रिकॉर्ड चेज के बाद अब उन्होंने सबसे छोटे लक्ष्य का बचाव भी किया। आइए जानते हैं पूरा मामला क्या ह आईपीएल 2025 में मंगलवार को पंजाब किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर फैंस का दिल जीत लिया। श्रेयस अय्यर की टीम ने आईपीएल में सबसे छोटे लक्ष्य का बचाव किया। पिछले दो साल में यह टीम कोलकाता नाइट राइडर्स को दो गहरे जख्म दे चुकी है। साल 2024 में सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने के अलावा अब सबसे छोटे लक्ष्य का बचाव किया। इसने केकेआर की टीम को झकझोर कर रख दिया है। इतना ही नहीं, पंजाब ने कई वर्षों से चले आ रहे एक सिलसिले को भी तोड़ा है।पंजाब ने मंगलवार को 111 रन पर ऑल आउट होने के बाद केकेआर की पारी को 95 रन पर समेट कर आईपीएल में सबसे छोटे लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड चेन्नई सुपर किंग्स के नाम था। सीएसके ने ऐसा 2009 में पंजाब के खिलाफ किया था। तब चेन्नई

ने 116 रन बनाए थे और इसका बचाव किया था। वहीं, साल 2024 में जब ये दोनों टीमें आमने-सामने आई थीं, तब पंजाब ने कोलकाता के दिए 262 रन के लक्ष्य को दो विकेट गंवाकर सफलतापूर्वक हासिल किया था। यह आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा चेज था। पंजाब ने इसे 18.4 ओवर में हासिल किया था। जॉनी बेयरस्टो ने 48 गेंद में 108 रन की नाबाद पारी खेली थी, जबकि शशांक सिंह ने 28 गेंद में 68 रन बनाए थे। इसके अलावा प्रभसिमरन सिंह ने 20 गेंद में 54 रन की पारी खेली थी। इससे पहले आईपीएल में सबसे बड़े चेज का रिकॉर्ड राजस्थान के नाम था। उसने 2020 में पंजाब के खिलाफ 224 रन का लक्ष्य हासिल किया था। कोलकाता को दोनों बार पंजाब का दंभ झेलना पड़ा है और दोनों मैच में उनके पास पंजाब के खिलाड़ियों का कोई जवाब नहीं रहा। 2024 में जब पंजाब से कोलकाता को हार मिली थी, तब श्रेयस कोलकाता के ही कप्तान थे। अब सबसे छोटे लक्ष्य का बचाव करते वक्त वह पंजाब के कप्तान हैं। इतना ही नहीं, पंजाब और कोलकाता के बीच खेले गए पिछले आठ मुकाबलों में मंगलवार के मैच से पहले तक ऐसा होता रहा है कि एक मैच पंजाब की टीम जीतती थी और एक मैच कोलकाता की टीम। हालांकि, यह सिलसिला अब टूट चुका है। पंजाब ने कोलकाता के खिलाफ पिछले दोनों मैच जीते हैं। रिकॉर्ड चेज के बाद अब उन्होंने सबसे छोटे लक्ष्य का बचाव भी किया। मैच की बात करें तो युजवेंद्र चहल ने लय में वापसी करते हुए 28 रन पर चार विकेट लेकर आईपीएल के कम स्कोर वाले मैच में मंगलवार को मुल्लांपुर में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पंजाब किंग्स को 16 रन की यादगार जीत दिलाई। पंजाब किंग्स को 15.3 ओवर में 111 रनों पर रोकने के बाद केकेआर सात ओवर में दो विकेट पर 60 रन बनाकर आसान जीत की ओर बढ़ रहा था, लेकिन इसके बाद चहल ने केकेआर के मध्य क्रम को झकझोर कर पंजाब को रोमांचक जीत दिलाई। केकेआर की टीम 15.1 ओवर में 95 रनों पर ऑल आउट हो गई।

सम्पादकीय

विश्व एक रंगमंच है और दुनिया में है रंग-बिरंगे किरदार

रंगमंच की खूबसूरती इसी में है कि यह केवल कल्पना पर आधारित नहीं होता, बल्कि यह समाज में घटित घटनाओं, मानव भावनाओं और जीवन के संघर्षों को प्रभावी ढंग से दर्शकों के सामने प्रस्तुत करता है। सारा संसार एक रंगमंच है और सभी स्त्री-पुरुष केवल इसके अभिनेता हैं। वे आते हैं और चले जाते हैं, और हर एक को अपने जीवन में कई भूमिकाएँ निभानी पड़ती हैं।ठ विलियम शेक्सपियर का यह प्रसिद्ध कथन जीवन और रंगमंच के बीच की समानता को दर्शाता है। 27 मार्च को विश्वभर में अंतरराष्ट्रीय रंगमंच दिवस मनाया जाता है, जो न केवल रंगकर्मियों के योगदान को सम्मानित करने का अवसर देता है बल्कि इस विधा की सामाजिक और सांस्कृतिक महत्ता को भी रेखांकित करता है। रंगमंच केवल एक कला नहीं, बल्कि जीवन का सार है। यह हमें यह समझने में मदद करता है कि हम सभी इस महान नाटक के हिस्से हैं, और हमारा उद्देश्य केवल व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल करना नहीं, बल्कि समाज में एक सार्थक योगदान देना भी है। इसलिए, इस रंगमंच दिवस पर, आइए हम यह संकल्प लें कि हम अपने किरदार को बेहतर बनाएंगे, समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझेंगे और इस रंगमंच को और अधिक सुंदर बनाएंगे। रंगमंच केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह समाज का आईना भी है। जिस प्रकार एक दर्पण हमारी छवि को स्पष्ट रूप से दिखाता है, उसी तरह रंगमंच हमारे समाज की वास्तविकताओं को उजागर करता है। मंच पर प्रस्तुत हर कहानी, हर संवाद, और हर अभिनय हमारे जीवन की किसी न किसी सच्चाई को प्रतिबिंबित करता है। रंगमंच की खूबसूरती इसी में है कि यह केवल कल्पना पर आधारित नहीं होता, बल्कि यह समाज में घटित घटनाओं, मानव भावनाओं और जीवन के संघर्षों को प्रभावी ढंग से दर्शकों के सामने प्रस्तुत करता है। प्राचीन काल से ही नाटक समाज के उत्थान और जागरूकता का माध्यम रहा है। चाहे वह भारत का लोकनाट्य हो, ग्रीक ट्रैजेडी और कॉमेडी हो, या फिर आधुनिक थिएटर ड्रामा, सभी का एक ही उद्देश्य होता है–समाज को जागरूक करना, उसे नई दृष्टि देना और उसमें सुधार लाना। रंगमंच सामाजिक समस्याओं को उजागर करने का एक प्रभावशाली माध्यम रहा है। बाल विवाह, जातिवाद, महिला सशक्तिकरण, भ्रष्टाचार, शिक्षा, युद्ध और गरीबी जैसे मुद्दों पर आधारित नाटक लोगों को न केवल जागरूक करते हैं, बल्कि उन्हें सोचने पर भी मजबूर कर देते हैं। भारत में गिरीश कर्नाड, विजय तेंदुलकर, हबीब तनवीर और बादल सरकार जैसे नाटककारों ने अपने नाटकों के माध्यम से सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्थाओं पर गहरी चोट की है। व्यंग्य और हास्य: व्यंग्य से समाज की बुराइयों को उजागर करना रंगमंच की सबसे प्रभावी विशेषताओं में से एक है। नाटकों में व्यंग्यपूर्ण संवाद और हास्य के माध्यम से गंभीर मुद्दों को हल्के-फुल्के अंदाज़ में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे दर्शक उसे सहजता से स्वीकार कर सकें। संघर्ष और क्रांति: कई नाटकों ने सामाजिक बदलाव लाने में क्रांतिकारी भूमिका निभाई है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी थिएटर का उपयोग ब्रिटिश शासन के खिलाफ जनजागरण के लिए किया गया था। इस प्रकार, रंगमंच समाज की विचारधाराओं, उसकी अच्छाइयों और बुराइयों का प्रतिबिंब है, जो न केवल हमें सोचने पर मजबूर करता है बल्कि हमें अपनी जिम्मेदारियों का भी अहसास कराता है।शेक्सपियर ने जब कहा, ठ[illegible]ठ (सारा संसार एक रंगमंच है, और सभी स्त्री-पुरुष केवल इसके अभिनेता हैं), तो उन्होंने न केवल एक दार्शनिक सत्य को व्यक्त किया बल्कि हमारे जीवन के स्वरूप को भी स्पष्ट किया।हम सभी इस रंगमंच पर विभिन्न किरदार निभाते हैं। कोई नायक होता है, कोई खलनायक, कोई विदूषक होता है, तो कोई विचारक। हम अपने जीवन के अलग-अलग चरणों में भिन्न-भिन्न भूमिकाएं निभाते हैं:- जैसे एक नाटक में एक पात्र का आगमन और प्रस्थान होता है, वैसे ही जीवन में भी जन्म और मृत्यु का चक्र चलता रहता है। हर व्यक्ति अपनी निर्धारित भूमिका निभाकर इस मंच से विदा ले लेता है। लेकिन, सवाल यह उठता है कि हम इस रंगमंच पर अपनी भूमिका कितनी ईमानदारी और समर्पण से निभाते हैं।

59वां आईएचजीएफ दिल्ली मेला- स्प्रिंग 2025

16 से 19 अप्रैल 2025; इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा भारत सरकार के केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने आईएचजीएफ दिल्ली मेला- स्प्रिंग 2025 का उद्घाटन किया मेले में पहले दिन भारत के प्रमुख बाजारों से बड़ी संख्या में खरीदार पहुंचे देव मणि शुक्ल नोएडा हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) द्वारा आयोजित 59वें आईएचजीएफ दिल्ली मेले का आज भारत सरकार के माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने उद्घाटन किया।

यह मेला 16 से 19 अप्रैल 2025 तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान माननीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह प्रदर्शनी हॉल में भी गए और मेले में शिरकत कर रहे सहभागियों से बात की । उन्होंने गर्व के साथ कहा कि वो वैश्विक स्तर पर सराहे जाने वाले इस मंच का हिस्सा बन कर गौरवान्वित हैं, जो भारत की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा का उत्सव मनाता है और साथ ही उन्होंने इस मेले को एक प्रमुख सोर्सिंग गंतव्य बनाने और दुनिया भर के खरीदारों, डिजाइनरों और उद्योग जगत के दिग्गजों को आकर्षित करने वाले मेले के रूप में बदलने के लिए ईपीसीएच को बधाई दी। मेले में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए श्री गिरिराज सिंह ने कहा, ठआज, दुनिया हस्तशिल्प और हस्तनिर्मित उत्पादों को अपना रही है, जो कि शिल्प के प्रत्येक उत्पाद में छिपे हुनर, अनुभव और मेहनत को सच्चा सम्मान देना है। हाल ही में एक एक्सपो के दौरान, एक अमेरिकी व्यवसायी ने हमें आश्वस्त किया कि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद इन उत्पादों की मांग बनी रहेगी। पारंपरिक शिल्प कला में भारत की विशेषज्ञता हमें प्रतिस्पर्धा के स्तर पर बढ़त देती है, और अपनी इस ताकत और क्षमताओं के बल पर हम 80ज्ञ् बाजार में उन्नति की ओर अग्रसर हैं।ठ सस्टेनेबिलिटी और इको-फ्रेंडली मैन्युफैक्चरिंग की ओर विश्व स्तर पर हो रहे बदलावों पर जोर देते हुए माननीय मंत्री ने कहा कि भारत इस दिशा में नवाचार और नैतिक रूप से तैयार समाधान प्रदान करने की अच्छी स्थिति में है। वैश्विक व्यापार के हालिया घटनाक्रमों के मद्देनजर, उन्होंने यह माना कि भारतीय निर्यात पर अमेरिका के बढ़ाए गए टैरिफ का असर पड़ा है, हालांकि इसके साथ ही उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भारत सरकार निर्यातकों के हितों की रक्षा के लिए द्विपक्षीय वार्ताओं और नीतिगत उपायों के माध्यम से सक्रिय रूप से इस पर काम कर रही है। उन्होंने निर्यातकों से आग्रह किया कि वे बाजारों में विविधता लाएं, एफटीए की संभावनाओं का पता लगाएं और अपने प्रॉडक्ट लाइन का विस्तार करें, जिससे विकास की गति बनी रहे। श्री सिंह ने कहा कि भारत सरकार बुनियादी ढांचे के विकास, वित्तीय सहायता, डिजाइन इनोवेशन और डिजिटल आउटरीच के जरिए हस्तशिल्प क्षेत्र को लगातार अपना सहयोग दे रही है। आईएचजीएफ दिल्ली मेला- स्प्रिंग 2025 के उद्घाटन समारोह में ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री दिलीप बैद; आईएचजीएफ दिल्ली मेला स्वागत समिति स्प्रिंग 2025 के अध्यक्ष श्री निर्मल भंडारी; ईपीसीएच के उपाध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना; ईपीसीएच के उपाध्यक्ष घ्घ् श्री सागर मेहता; ईपीसीएच के सीओए सदस्य श्री अवधेश अग्रवाल, श्री रवि के पासी, श्री ओ पी प्रह्लादका, श्री राजेश जैन, श्री के एन तुलसी राव और श्री प्रिंस मलिक; मेला स्वागत समिति के उपाध्यक्ष श्री नदीम अहमद खान और श्री कमल कौशल वार्ष्णेय; ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर के वर्मा और अन्य जानेमाने विदेशी खरीदार, भारत के खरीद एजेंट और ईपीसीएच के प्रमुख सदस्य निर्यातक भी मौजूद थे। मेले के इस संस्करण में यहां पूरी तरह से समर्पित 16 हॉल में 3,000 से अधिक प्रदर्शक जुटे हैं, जहां होम, लाइफस्टाइल, फैशन, फर्नीशिंग, फर्नीचर और इंटीरियर सेगमेंट के कड़ी मेहनत से बनाए गए उत्पादों की विस्तृत प्रदर्शनी लगाई गई है। हॉल में प्रदर्शक बूथों के अलावा, आगंतुक इंडिया एक्सपो सेंटर के विभिन्न मंजिलों पर मौजूद प्रमुख निर्यातकों के 900 मार्ट/स्थायी शोरूम में भी जा सकते हैं, जो सोर्सिंग के दिनों के लिए पूरी तरह से तैयार और सुसज्जित हैं। ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री दिलीप बैद ने कहा, ठअंतरराष्ट्रीय स्तर पर आकर्षण और उद्यमियों, निर्यातकों और कारीगरों को जोड़ने की बेजोड़ क्षमताओं के लिए प्रसिद्ध आईएचजीएफ दिल्ली मेला, अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के बीच भारतीय उत्पादों की उत्कृष्ट गुणवत्ता, खास डिजाइन, और विश्व स्तर पर मार्केटिंग क्षमता के प्रति विश्वास को लगातार और मजबूत बना रहा है। अपने प्रत्येक संस्करण के साथ ही यह मेला व्यापार के नए अवसरों के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है और हर बार उत्पादों की लगातार बढ़ती रेंज की पेशकश करते हुए नए व्यापारिक संबंध बनाता है।विश्व स्तर पर जारी अनिश्चितताओं और बदलावों के इस दौर को संबोधित करते हुए श्री बैद ने कहा, ठहालांकि अमेरिका ने हाल ही में भारत समेत कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाए हैं, जिससे नई चुनौतियां पैदा हुई हैं, इसके बावजूद अमेरिकी खरीदारों की ओर से मेले के इस संस्करण के लिए किए गए रजिस्ट्रेशन पहले की तरह ही बने हुए हैं, जो भारतीय शिल्पकारी के प्रति अंतरराष्ट्रीय बाजारों के विश्वास को दर्शाता है। भारत सरकार के निरंतर समर्थन और अमेरिका के साथ पारस्परिक लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते के सहयोग से, हमें पूरा यकीन है कि हम आने वाले वर्षों में अपने निर्यात को और विस्तार देंगे।ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने कहा, ठअपने प्रत्येक संस्करण के साथ आईएचजीएफ दिल्ली मेले ने अपने विस्तार और प्रतिष्ठा में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) की अगुवाई में चलाए गए व्यापक वैश्विक प्रचार अभियान की वजह से मेले के पहले ही दिन बड़ी संख्या में पंजीकृत विदेशी खरीदार, थोक विक्रेता और खुदरा विक्रेता उमड़ पड़े। अपने विश्वस्तरीय बुनियादी ढाचों से सुसज्जित इंडिया एक्सपो सेंटर ऐंड मार्ट इस भव्य मेले के आयोजन के लिए लगातार एक आदर्श स्थल के रूप में काम कर रहा है। जहां खरीदारों की सोर्सिंग के अनुभव को और समृद्ध बनाते हैं यहां मौजूद 900 स्थायी मार्ट शोरूम, जो भारत के अग्रणी हस्तशिल्प निर्यातकों द्वारा संचालित हैं। डॉ. राकेश कुमार ने कहा, ठयह बेहद खुशी की बात है कि मार्ट मालिक, आईएचजीएफ दिल्ली मेले से मिल रहे निर्यात अवसरों का सक्रिय तौर पर लाभ उठा रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के साथ दीर्घकालिक एवं पूरे वर्ष चलने वाले व्यापारिक संबंध बना रहे हैं।आईएचजीएफ दिल्ली मेला- स्प्रिंग 2025 के स्वागत समिति के अध्यक्ष श्री निर्मल भंडारी ने कहा, ङ्खआईएचजीएफ दिल्ली मेले के अनुभव को और समृद्ध बनाते हुए, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिल्पगुरुओं को विशेष रूप से क्यूरेट की गई थीमैटिक सेटिंग में पेश किया गया है, यहां वो अपनी पारंपरिक शिल्प कौशल का लाइव प्रदर्शन कर रहे हैं। भारत के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हुए ये शिल्पगुरु देश की समृद्ध हस्तशिल्प विरासत का सजीव प्रदर्शन कर रहे हैं। ये शिल्पगुरु न केवल पीढ़ियों से चली आ रही जटिल तकनीकों को प्रदर्शित कर रहे हैं, बल्कि ऐसा करना आगंतुकों को इन दुर्लभ शिल्प रूपों को प्रत्यक्ष रूप से देखने और अनुभव हासिल करने का अनमोल अवसर भी देती है। इनके लाइव प्रदर्शन में धातु पर उकेरने की महीनता, लाह की चूड़ियों के निर्माण, पश्मीना सोजनी की कढ़ाई, मधुबनी पेंटिंग, सिक्की घास कला और हैंड पेंटिंग जैसी प्रतिष्ठित शिल्पकलाओं को शामिल किया गया है। इनमें से कई शिल्प कलाओं को जीआई टैग हासिल है, जो उनकी क्षेत्रीय मौलिकता और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रमाण है।ईपीसीएच के उपाध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने कहा, ठआईएचजीएफ दिल्ली मेले में हमारे प्रदर्शकों ने अपने उत्पादों के डिजाइन पर और उनको विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं, ताकि वो बदलते वैश्विक मार्केट ट्रेंड और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की पसंद के साथ कदम से कदम मिला कर चल सकें। नवाचार और गुणवत्ता के प्रति यह सक्रिय दृष्टिकोण अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय हस्तशिल्प के जुड़ाव को और मजबूत बना रहा है। अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की ओर से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया इस संस्करण के प्रति बढ़ती सकारात्मक भावना को दर्शाती है। यही ऊर्जा भारत के प्रमुख रिटेल और ऑनलाइन ब्रांडों से आए नए और नियमित आगंतुकों में भी देखने को मिल रही है जो इस बात का प्रमाण है कि आज यह मेला, न केवल हस्तनिर्मित उत्कृष्टता का प्रतीक बन चुका है, बल्कि नए ट्रेंड कलेक्शनों के लिए भी एक प्रमुख सोर्सिंग मंच के रूप में खुद को मजबूत बना रहा है।आईएचजीएफ दिल्ली मेले के 59वें संस्करण में सभी का स्वागत करते हुए ईपीसीएच के उपाध्यक्ष घ्घ् श्री सागर मेहता ने कहा, ठयह आयोजन देश के सबसे बड़े और सबसे प्रतिष्ठित व्यापार मेलों में से एक है। यह हमारे सदस्य निर्यातकों की उद्यमशीलता और रचनात्मकता का एक बेजोड़ साक्ष्य है, जिन्होंने लगभग तीन दशकों से दुनिया के सामने अपनी अनूठी शिल्पकला और अनोखी पेशकश को पूरे विश्व के सामने गर्व से पेश किया है।ठ इसके बाद उन्होंने बताया कि अगले दो दिन विभिन्न विषयों पर सेमिनार आयोजित किए जाएंगे, इनमें उत्पाद डिजाइन में एआईः भविष्य के ट्रेंड की नई परिभाषा; डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा सेवाओं के माध्यम से व्यावसायिक लेनदेन की सुरक्षा; और निर्यात ऑपरेशन को और प्रभावकारी बनाने के लिए एआई-संचालित सॉफ्टवेयर का अधिकतम लाभ उठाना, शामिल हैं जिनका उद्देश्य प्रतिभागियों को नई तकनीकी समझ से लैस करना और उनके व्यापारिक निर्णय लेने की क्षमता को और सुदृढ़ बनाना है। इसके अलावा आर्ट ऑफ अट्रैक्शनः प्रभावशाली बूथ डिजाइन और विजुअल मर्चेंडाइजिंग रणनीतियांठ, विषय पर एक वर्कशॉप का आयोजन भी किया जाएगा, जिसका उद्देश्य प्रदर्शकों को उनके बूथ के प्रेजेंटेशन को और बेहतर बनाने और खरीदारों के साथ प्रभावशाली संवाद स्थापित करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री. आर. के. वर्मा ने कहा, ईपीसीएच पर अंतरराष्ट्रीय खरीदारों का अटूट विश्वास स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है, जो बीते तीन दशकों से आईएचजीएफ दिल्ली मेले में लगातार भाग लेते आ रहे हैं। इस संस्करण की शुरुआत भी बहुत ही उत्साहपूर्ण रही, जहां खरीदारों के रजिस्ट्रेशन और पूरे आयोजन स्थल पर एक जीवंत माहौल बना हुआ है, जहां पूरे दिन हॉल में हलचल और व्यापारिक संवाद का सिलसिला जारी रहा। हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने की एक नोडल एजेंसी है, इसका उद्देश्य देश के विभिन्न शिल्प समूहों में होम, लाइफस्टाइल, टेक्स्टाइल, फर्नीचर और फैशन ज्वेलरी और एक्सेसरीज उत्पादों को बनाने में लगे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू को एक मजबूत ब्रांड छवि के रूप में स्थापित करना है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि वर्ष 2024-25 के दौरान हस्तशिल्प का अनुमानित अस्थायी (प्रोविजनल) निर्यात 33,490.79 करोड़ रुपये (3959.86 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का रहा।

रुपहले पर्दे पर आकार लेती धूमिल इतिहास की स्वर्णिम कहानी

आज की नई पीढ़ी शायद कल्पना भी नहीं कर सकती कि कैसे समूची उज्जयिनी नगरी दुल्हन की तरह सज-धज गई थी, अपने निज विक्रम के स्वागत के लिए। पूरा नगर रंग-बिरंगी पताकाओं से सुसज्जित था, जिन पर पराक्रमी विक्रम का चित्र अंकित था। वहीं, नवरत्नों के जो चित्र आज प्रचलन में हैं, वे भी रविशंकर रावल की रचनाएं हैं। समय के साथ उनकी अनेक प्रतिकृतियाँ बाजार में आ गईं, जिससे लोग नकल को ही असल समझने लगे। देशभर में घूम-घूमकर विद्वानों से विक्रम, कालिदास और उज्जयिनी पर शोध लेख लिखवाए गए। इनमें महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन, डॉ. भगवत शरण उपाध्याय, वी. वी. मीराशी, वासुदेव शरण अग्रवाल, डी. सी. मजूमदार जैसे महान नाम शामिल थे। मैथिली शरण गुप्त ने अपने हस्तलिखित पंक्तियों में लिखा ये पंक्तियां विक्रम स्मृति ग्रंथ में व्यासजी ने प्रमुखता से प्रकाशित कीं। व्यासजी के अनुरोध पर रवींद्रनाथ टैगोर ने भी 'उज्जयिनी' कविता लिखी थी और नागार्जुन ने भावपूर्ण रचना 'कालिदास सच-सच बतलाना, अज रोया था या तुम रोए थे?' लिखी। विक्रम स्मृति ग्रंथ की तैयारी का एक दिलचस्प किस्सा डॉ. शिव मंगल सिंह सुमन सुनाते थे। उस समय वे ग्वालियर के क्वींस विक्टोरिया कॉलेज में थे और महापंडित राहुल जी वहां पधारे थे। व्यासजी विक्रमादित्य फिल्म के सेट से सीधे दिल्ली होते हुए ग्वालियर आए और राहुल जी को बोले, ठविक्रम पर आपका लेख लिए बिना नहीं जाऊंगा।ठ डॉ. सुमन बताते थे कि राहुल जी हॉस्टल के बरामदे में गमछा मुंह पर ओढ़कर बैठ गए और बोले, ठमैं बोलता हूं, सुमन लिखेगा।ठ और यूं दो घंटे में 'त्रिविक्रम!' लेख तैयार हो गया। व्यासजी विक्रम महोत्सव और कालिदास समारोह के लिए अपने खाने-पीने की परवाह किए बिना देशभर में दौड़ते फिरते थे। नीतियों को अपनाया। जैसे, विक्रमादित्य ने विक्रम संवत् की शुरुआत की, जो समय के साथ लोग भूल चुके थे। पंडित व्यासजी के प्रयासों से इसे पुनर्जीवित किया गया। अकबर ने भी इसी तर्ज पर दिन-ए-इलाही संवत् शुरू किया, लेकिन वह प्रचलित नहीं हो सका। करने की पेशकश की गई। व्यासजी ने विनम्रता से यह सम्मान लेने के बजाय पृथ्वीराज कपूर को नामित करने की सिफारिश की। उनकी इस सिफारिश को मानते हुए पृथ्वीराज कपूर को राज्यसभा में ससम्मान स्थान मिला। विक्रम महोत्सव का यह

विक्रमादित्य फिल्म की अनोखी कहानी विक्रमादित्य फिल्म की कथा भी बेहद दिलचस्प है। पृथ्वीराज कपूर ने विक्रमादित्य की भूमिका निभाई। यह धारणा कि वे मुगल-ए-आजम के सेट से अकबर के भेस में बाहर जाकर प्रजा का हाल-चाल लेते थे, वास्तव में विक्रमादित्य की कहानी पर आधारित है। विक्रमादित्य अक्सर अपनी प्रजा का हाल जानने के लिए सामान्य वेश में निकल पड़ते थे। बादशाह अकबर ने भी विक्रमादित्य की कई अच्छी विक्रमादित्य के नवरत्नों की तर्ज पर अकबर ने भी तानसेन, बीरबल और टोडर मल जैसे नवरत्नों को अपने दरबार में स्थान दिया। पृथ्वीराज कपूर का योगदान विक्रमादित्य फिल्म में अभिनय करने के बदले पृथ्वीराज कपूर ने व्यासजी की मित्रता के कारण कोई पारिश्रमिक नहीं लिया। जब पंडित सूर्यनारायण व्यास को साहित्य, शिक्षा और संस्कृति में योगदान के लिए 'पद्मभूषण' सम्मान मिला, तो उन्हें राज्यसभा के लिए भी नामांकित स्वर्णिम इतिहास आज भी प्रेरणादायक है, जो उज्जयिनी की सांस्कृतिक समृद्धि और गौरवशाली परंपरा को दर्शाता है। विक्रम के ये प्रसिद्ध चित्र महान चित्रकार कनुभाई देसाई और रविशंकर रावल ने व्यासजी के गहन विचार-विमर्श के बाद तैयार किए थे। आज भी उनके मूल चित्र सुरक्षित हैं। यही चित्र बाद के समय में विक्रम का मुखपृष्ठ और संपादकीय पृष्ठ का प्रतीक बना।

मानव छीन रहा मादा चीता के मुंह से शिकार, प्रकृति के नियमों से हो रही छेड़छाड़

क्या मानव को प्रकृति में बाधक बना चाहिए? क्या वन्य जीवों के जीवन में व्यवधान पैदा करना चाहिए? संभवतः सभी का उत्तर नहीं होगा, लेकिन मानव वन्य जीवों के जीवन में निरंतर व्यवधान पैदा कर रहे हैं। ताजा उदाहरण मध्य प्रदेश के श्योपुर में कूनो नेशनल पार्क का है, जहां ग्रामीणों ने मादा चीता ज्वाला को दो बार शिकार करने से रोका। मादा चीता अपने चार शावकों को लेकर निकली थी हालांकि कुछ लोग यह बेतुका तर्क दे सकते हैं कि ग्रामीणों ने दो पालतू जानवरों की जान बचाई, लेकिन यदि शिकार न मिलने के कारण भूख से मादा चीता और उसके शावक मर जाएं तो उसका दोषी कौन होगा? वैसे भी चीता के लिए शिकार पकड़ना आसान नहीं होता है। कुछ साल पहले उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक सड़क पर अजगर ने एक हिरण को जकड़ लिया था। एक युवा ने झाड़ी मार-मारकर अजगर को हिरण छोड़ने के लिए विवश कर दिया था। तब भी एक बहस चली थी कि क्या हमें प्रकृति और वन्यजीवों के साथ छेड़छाड़ करनी चाहिए? अजगर भी उन प्राणियों में शामिल है, जिसे बेहद मुश्किल से शिकार मिलता है, लेकिन अक्सर सोशल मीडिया पर हम ऐसे वीडियो देखते हैं, जहां अजगर को पकड़ कर उसके शिकार को पेट से बाहर तक निकाल दिया जाता है। कूनो नेशनल पार्क में भारत सरकार का एक बहुत ही महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट चीता चल रहा है। अफ्रीका से लाकर यहां पर चीते छोड़े गए हैं। भारत सरकार की कोशिश है कि देश में साल 1948 में ही विलुप्त हो चुके इस दुर्लभ जीव को पुनर्स्थापित किया जाए, लेकिन क्या हम ऐसा होने देने के इच्छुक हैं श्योपुर की घटना को ही लें। मादा चीता ज्वाला अपने चार शावकों के साथ कूनो नेशनल पार्क से निकलकर 30 किलोमीटर दूर वीरपुर क्षेत्र में पहुंच गई थी। वहां पर उसने एक बार बछड़े को दबोचा तो दूसरी बार भैंस के पाड़े को पकड़ने का प्रयास किया। दोनों बार ग्रामीणों

ने लाठियों के बल पर मादा चीता ज्वाला को विवश किया कि वो शिकार को छोड़कर भाग जाए। ग्रामीणों ने इतना शोर मचाया कि मादा चीता और शावकों को लेकर जंगल में भागना पड़ा। हद तो यह थी कि कुछ ग्रामीणों ने वन्यजीवों पर पथराव तक कर दिया। कूनो नेशनल पार्क से जुड़े वन्य अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि चीता कभी मानव पर हमला नहीं करता है। फिर भी श्योपुर में लोग न जाने क्यों घबराए हुए हैं? लगता है, उन्हें यह तथ्य पता नहीं है। वो तो गनीमत रही कि मादा चीता और शावकों को ग्रामीण ने लाठी-डंडों से मार नहीं डाला। मानव और वन्यजीवों का द्वंद्व नया नहीं है। यह आदिकाल से चला रहा है। अब तो स्थिति यह हो गई है कि हमने जंगल खत्म कर डाले हैं। वन्यजीवों को बचाने के लिए सरकार को जंगल बनाने पड़ रहे हैं। इन जंगलों में भी मानव का हस्तक्षेप खत्म नहीं हो रहा है। जंगल में वन्यजीवों को शिकार नहीं मिलता तो वो मानव बस्तियों में आ जाते हैं। हम भले वन्यजीवों से किसी शिकार को छुड़ाकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करें, लेकिन उस वन्यजीव का भी सोचिए, जिसको भोजन से वंचित किया गया है। विशेष कर यदि वन्यजीव मांसाहारी है तो उसे भोजन कहां से मिलेगा? वन्यजीव से शिकार को छुड़ाकर मानव कोई उपकार या पुण्य का कार्य तो कर नहीं रहा है, बल्कि वो प्रकृति के नियम को तोड़ रहा है। देश में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर कानून बने हुए हैं, जिनमें सजा का प्रावधान है, लेकिन वन्यजीवों से शिकार छुड़ाने का जिक्र अभी कानून में नहीं है। सरकार को कानून में संशोधन कर इस विषय को भी जोड़ना चाहिए। साथ ही, सरकार को जन-जागरूकता निरंतर लाने की आवश्यकता है। पाठ्यक्रम में शुरुआत से वन्यजीवों को लेकर पढ़ाया जाए और बच्चों को यह सिखाया जाए कि प्रकृति वन्यजीवों के बिना अधूरी है। फिर चीता तो एक दुर्लभ वन्यजीव है। पूरी दुनिया में इनकी संख्या 7000 के करीब ही बची है। भारत में तो यह 77 साल पहले ही समाप्त हो गए थे। एक बार पुनः इन्हें भारत में स्थापित करने के प्रयास हो रहे हैं, लेकिन जो घटना श्योपुर में हुई है, वो चिंताजनक है। सरकार को ऐसी घटनाओं को लेकर सख्त कदम उठाने चाहिए, ताकि मानव वन्य जीवों के लिए जीवन में व्यवधान पैदा कर सके। क्या मानव को प्रकृति में बाधक बना चाहिए? क्या वन्य जीवों के जीवन में व्यवधान पैदा करना चाहिए? संभवतः सभी का उत्तर नहीं होगा, लेकिन मानव वन्य जीवों के जीवन में निरंतर व्यवधान पैदा कर रहे हैं।

1000000 लाख दो वरना 376 का मुकदमा लो

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मैहर । बहु से ससुर लगवाया छोटे भाई पर मुकदम मैहर जिले के थाना मैहर अंतर्गत ग्राम बेरमा का अजब गजब मामला, पहले जमीन कब्जा किया फिर बनाया घर अब करवाना चाहता है रजिस्ट्री,मना करने पर कब्जा भी खाली नहीं किया और 376 का मुकदमा लगवाने की बात कही,राम प्रसाद कुशवाहा की है जमीन पर रामनाथ कुशवाहा और राम प्रसाद कुशवाहा और उसकी बीवी झूठा आरोप लगाकर पैसे की कर रहे हैं डिमांड जिसकी वॉइस रिकॉर्डिंग राम प्रसाद कुशवाहा के पास है फिलहाल इस मामले की जांच मैहर पुलिस कर रही है लेकिन प्रथम दृष्टि में रिकॉर्डिंग सुनने के बाद यह पता चलता है आरोप लगाने वाला ही आरोपी है ।

टल सकता है पीएम मोदी का जम्मू दौरा, श्रीनगर-कटरा वंदे भारत के उद्घाटन में हो सकती है देरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 19 अप्रैल की जम्मू-कश्मीर यात्रा स्थगित होने की सूचना के चलते श्रीनगर-कटरा वंदे भारत रेल सेवा और उधमपुर-कटरा-बनिहाल-श्रीनगर रेल लिंक परियोजना का

उद्घाटन फिलहाल टल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार 18-19 अप्रैल को कटरा और आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना है। बहुप्रतिक्षित श्रीनगर-कटरा वंदे भारत रेल सेवा और उधमपुर-कटरा-बनिहाल- श्रीनगर रेल लिंक परियोजना का उद्घाटन फिलहाल टल सकता है, क्योकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 19 अप्रैल की जम्मू-कश्मीर यात्रा स्थगित होने की सूचना है। हालांकि रेलवे ने इस विषय में अधिकारिक तौर पर कोई कारण नहीं बताया है, लेकिन प्रधानमंत्री के दौरे की तैयारियों से जुड़े सूत्रों का कहना है कि, खराब मौसम के चलते यह कार्यक्रम स्थगित किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, 18-19 अप्रैल को कटरा और उसके आस पास के क्षेत्रों में मौसम खराब रहेगा और भारी बारिश की संभावना है।दरअसल, उधमपुर-कटरा-रियासी-बनिहाल-श्रीनगर-बारामुला रेलवे परियोजना जम्मू कश्मीर में रणनीति रूप से सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में एक है। यह पूरी परियोजना 272 किलोमीटर लंबी है और मौजूदा समय में कटरा तक रेल संपर्क है। कटरा से बनिहाल तक रेलवे लाइन तैयार है, लेकिन रेल परिचालन नहीं है। बनिहाल से श्रीनगर-बारामुला तक रेल सपंर्क बीते एक दशक से भी ज्यादा समय से बहाल है। 19 अप्रैल को ही कटरा से श्रीनगर के लिए वंदे भारत रेलगाड़ी का परिचालन शुरु होना था। प्रधानमंत्री ने इस वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने वाले थे। रेलवे सूत्रों का कहना है कि उद्घाटन समारोह के लिए लगभग सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। रियासी के निकट चिनाब नदी पर बने देश के सबसे ऊंचे रेलवे पुल पर भी सुरक्षाबलों ने अपनी जिम्मेदारी संभाल ली है।

रीड साहब धर्मशाला और बसंत सराय हमारी संपत्ति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर। सतासीराज के राजा बसंत सिंह ने वर्ष 1456 में बसंतपुर किले का निर्माण कराया। सन 1688 में औरंगजेब ने काजी खलीलुर्रहमान, गोरखपुर को चकलेदार नियुक्त किया। उसने सतासी के राजा को बेदखल कर दिया। वहीं, बेतियाहाता चौराहा

के पास स्थित रीड साहब की धर्मशाला एक दुर्ग के रूप में बनी थी। इसका निर्माण गोरखपुर के चकलेदार काजी खलीलुर्रहमान ने सिपहसालारों के रहने के लिए वर्ष 1680 में कराया था। वर्ष 1839 में गोरखपुर के तत्कालीन कलेक्टर ई ए रीड साहब ने तत्कालीन रईसों एवं व्यापारियों से 5880 रुपये एक आना चंदा वसूल कर इस दुर्ग को धर्मशाला का रूप दे दिया। दगोरखपुर रीड साहब धर्मशाला और बसंत सराय को संरक्षित स्मारक घोषित करने पर नगर निगम ने आपत्ति दर्ज कराई है। निगम का कहना है कि ये संपत्ति उसकी है और इसका मालिकाना हक उनके पास ही रहना चाहिए। हालांकि पुरातत्व विभाग इसे संरक्षित करना चाहता है। अब इस चक्कर में दोनों स्थलों के सुंदरीकरण का मामला अटक गया है। प्रदेश सरकार के संस्कृति अनुभाग ने राज्यपाल की स्वीकृति के बाद इसकी प्रथम अधिसूचना जारी कर दी थी। 17 जनवरी की जारी अधिसूचना को कमिश्नर अनिल ढींगरा की सहमति के बाद पांच फरवरी को दोनों ही ऐतिहासिक स्मारकों पर चस्पा किया गया था। इसके बाद से नगर निगम ने इस पर आपत्ति दाखिल की है, जिस पर पुरातत्व विभाग विचार कर रहा है। तहसील सदर में मौजा बसंतपुर खास, परगना हवेली स्थित बसंत सराय (रैन बसेरा) राजस्व गाटा संख्या 435, 436 और 438 में क्रमशः 0.110, 0.262 और 0.118 हेक्टेयर में स्थित है। इसके अलावा तहसील सदर मौजा अलहदादपुर परगना हवेली में रीड साहब धर्मशाला राजस्व गाटा संख्या 42 और 43 में क्रमशः 0.224 और 0.395 हेक्टेयर रकबा में स्थित है। सतासीराज के राजा बसंत सिंह ने वर्ष 1456 में बसंतपुर किले का निर्माण कराया। सन 1688 में औरंगजेब ने काजी खलीलुर्रहमान, गोरखपुर को चकलेदार नियुक्त किया। उसने सतासी के राजा को बेदखल कर दिया। बसंतपुर किले में मुगल चौकी बना पल्टन रहने लगी। इस किले का कुछ हिस्सा खलीलुर्रहमान ने कैदियों के लिए कारागार के रूप में काम में लाया। वर्ष 1801 में ईस्ट इंडिया कंपनी ने इस कैदखाने का नाम मोती महल रखा। वर्तमान में यह किला पुराना होने के बावजूद मजबूती से खड़ा है। इसका परकोटा सुरक्षित एवं दर्शनीय है। पांच फरवरी 20003 को इसे नगर निगम को रैन बसेरा के नाम पर फ्री होल्ड किया गया 365 साल पुराना है रीड साहब धर्मशाला बेतियाहाता चौराहा के पास स्थित रीड साहब की धर्मशाला एक दुर्ग के रूप में बनी थी। इसका निर्माण गोरखपुर के चकलेदार काजी खलीलुर्रहमान ने सिपहसालारों के रहने के लिए वर्ष 1680 में कराया था। वर्ष 1839 में गोरखपुर के तत्कालीन कलेक्टर ई ए रीड साहब ने तत्कालीन रईसों एवं व्यापारियों से 5880 रुपये एक आना चंदा वसूल कर इस दुर्ग को धर्मशाला का रूप दे दिया।यह मुगल कालीन वास्तुकला का उत्कृष्ट नमूना है। हालांकि, अब यहां मुगलकालीन शिल्प के नाम पर कुछ दीवारें और चौखटों से उखड़ते कुछ दरवाजे ही बचे हैं। नगर निगम के मुताबिक, 1836 में तत्कालीन डीएम मिस्टर रीड ने लीज डीड के माध्यम से दिलदार खान से भूमि प्राप्त कर उसका ट्रस्ट बना धर्मशाला का निर्माण कराया। ट्रस्ट को सरकार ने 17 अगस्त 1844 को अपने पत्र संख्या 3633 से मान्यता प्रदान की। ट्रस्ट की व्यवस्था का संचालन करने के लिए स्थानीय निकाय को सुपुर्द कर दिया।नगर निगम बसंतपुर सराय और रीड साहब धर्मशाला को खाली कराने के लिए पिछले कई वर्षों से प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में बसंतपुर सराय और रीड साहब धर्मशाला के रहवासियों से बीते कई वर्षों से किराया भी नहीं वसूल रहा है। यहां के लोग पुनर्वास की मांग कर रहे हैं। बसंतपुर सराय में 67 कोठरिया हैं, जिनमें 10 खाली और 57 में परिवार रह रहे हैं।

नाबालिग बच्चे बाइक से जा रहे स्कूल..टीचर-ट्रैफिक विभाग बेखर-हो सकती है 3 साल की जेल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर। सिविल लाइंस क्षेत्र के स्कूल में बाइक और स्कूटी की लंबी कतार देखने को मिल रही

है। मोटर वाहन एक्ट के अंतर्गत नाबालिग के वाहन से अगर किसी तरह की दुर्घटना होती है तो अभिभावकों को तीन साल की जेल हो सकती है। शहर के स्कूलों में नाबालिग बाइक और स्कूटी लेकर पहुंच रहे हैं। खतरनाक होने के बाद भी इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। परिवहन विभाग के जिम्मेदारों के साथ ही स्कूल प्रबंधन बच्चों को बाइक और स्कूटी लेकर स्कूल आने पर रोक नहीं पा रहे हैं। सिविल लाइंस क्षेत्र के स्कूल में बाइक और स्कूटी की लंबी कतार देखने को मिल रही है। मोटर वाहन एक्ट के अंतर्गत नाबालिग के वाहन से अगर किसी तरह की दुर्घटना होती है तो अभिभावकों को तीन साल की जेल हो सकती है। साथ ही उनपर 25 हजार रुपये के जुर्माना का प्रावधान है। इतने सख्त नियम के बाद भी बड़ी संख्या में अभिभावक अपने नाबालिग बच्चों को बाइक और स्कूटी से स्कूल भेजते हैं।परिवहन विभाग के जिम्मेदारों का कहना है कि अभिभावक ही अपने बच्चों की जान को जोखिम में डालकर बाइक-स्कूटी से स्कूल भेज रहे हैं। स्कूल प्रबंधन भी बच्चों को बाइक से स्कूल आने पर नहीं रोक पा रहा। जबकि शासन का सख्त निर्देश है कि कोई भी नाबालिग बाइक या स्कूटी लेकर स्कूल के भीतर प्रवेश न करने पाए। इसके बावजूद इसके स्कूल प्रबंधन बाइक और स्कूटी लेकर स्कूल आने वाले नाबालिगों को स्कूल में प्रवेश दे रहे हैं।

पति ने फोन पर आखिर ऐसा क्या कहा...पत्नी ने फांसी लगा दे दी जान- शादी को हुए थे एक साल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर। परिजनों के अनुसार, सोमवार सुबह पिंकी ने पति विशाल से बात की और साथ रहने की इच्छा जताई। पति ने वृद्ध पिता व छोटे भाई की देखरेख का हवाला देते हुए अभी घर पर ही रहने की बात कही थी। थाना क्षेत्र के धुधुरी गांव निवासी विवाहिता ने मुंबई में पति के साथ रहने की जिद पर कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। वहीं फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्रित किए। गगहा क्षेत्र के सखरुआ निवासी रामबली उर्फ अशोक गौंड की 23 वर्षीय पुत्री पिंकी की शादी 18 फरवरी 2024 को बड़हलगंज क्षेत्र के धुधुरी के जवाहर गौंड़ के पुत्र विशाल के साथ हुई थी। पिंकी के पति विशाल चार माह पूर्व कमाने के लिए मुंबई चले गए। घर पर पिंकी के अलावा उसके ससुर जवाहर व देवर रहते हैं। सास की मौत हो चुकी है। परिजनों के अनुसार, सोमवार सुबह पिंकी ने पति विशाल से बात की और साथ रहने की इच्छा जताई। पति ने वृद्ध पिता व छोटे भाई की देखरेख का हवाला देते हुए अभी घर पर ही रहने की बात कही थी। इसको लेकर दोनों में नोकझोंक भी हुई। दोपहर में पिंकी ने पति को मैसेज भेजकर कमरे में फंदा लगा लिया। इधर, सूचना पर सीओ मनोज कुमार व नायब तहसीलदार जयप्रकाश, कोतवाल चंद्रभान सिंह मौके पर पहुंचे और छानबीन की। सीओ मनोज कुमार पांडेय ने बताया कि घटना से पहले पिंकी ने पति के मोबाइल पर मैसेज भेजा था। इसमें उसने पति के साथ रहने की बात लिखी थी। पुलिस उसका मोबाइल जब्त कर जांच कर रही है। अभी तहरीर नहीं मिली है।

नोएडा मीडिया क्लब में की संजय सिंह ने प्रेस वार्ता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा । बुधवार को आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह द्वारा नोएडा के सेक्टर 29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में एक

प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया इस दौरान राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि ज्योतिबा फुले और उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित फिल्म ठफुलेठ को सिनेमाघर में रिलीज नहीं होने दिया जा रहा है, जिसको लेकर राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया,उन्होंने कहा कि दलित शोषित,वंचित और पिछड़ों के लिए संघर्ष मय जीवन बिताने वाले ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित इस फिल्म ठफुलेठ को केंद्र सरकार के इशारों पर रिलीज नहीं होने दिया जा रहा है, जो सरासर गलत है,उन्होंने कहा कि 11 अप्रैल को फिल्म को रिलीज किया जाना था जिसे लगातार टाला जा रहा है,उनकी मांग है कि फिल्म में दिखाए गए सभी दृश्यों को बिना काट छांट किए सिनेमा घरों में रिलीज किया जाए, इस दौरान संजय सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा फुले फिल्म पर रोक लगाई जाने के विरोध में आगामी 21 अप्रैल सोमवार को आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के हर जिला स्तर पर प्रदर्शन करेगी और केंद्र सरकार के नाम ज्ञापन भी दिया जाएगा जिसमें उनसे अपील की जाएगी की ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के संघर्षमय जीवन पर आधारित फिल्म ठफुलेठ को जल्द से जल्द सिनेमाघर में रिलीज किया जाए। इस दौरान संजय सिंह ने दिल्ली सरकार को भी घेरने की कोशिश की उन्होंने कहा कि 2 महीने पहले दिल्ली की जनता ने जनादेश दिया और उनकी पार्टी को हार झेलनी पड़ी, वहीं भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी,दो महीने में लोगों के बच्चों की स्कूल की फीस बढ़ चुकी है, बिजली कटौती लगातार बरकरार है, फ्री बस टिकट जैसी सेवाएं भी हटा दी गई है ऐसे में दिल्ली की जनता बेहाल हो चुकी है अब दिल्ली की जनता से ही पूछना है कि उनकी सरकार उनके लिए क्या कर रही है। प्रेस वार्ता के दौरान आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के साथ महासचिव कैलाश शर्मा, दिल्ली विधान सभा के मुख्य सचेतक दिलीप पांडे, यूथ विंग के अध्यक्ष पंकज अवाना और गौतम बुद्ध नगर के जिला अध्यक्ष राकेश अवाना भी मौजूद रहे।

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष बोले- सांविधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही भाजपा, हम डरेंगे नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

लखनऊ। नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दाखिल किए गए आरोप पत्र में कांग्रेस नेता

राहुल गांधी व सोनिया गांधी को आरोपी बनाए जाने पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हम डरेंगे नहीं बल्कि डटकर सामना करेंगे। भाजपा सरकार सांविधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार की हर करतूत उजागर हो रही है। जनता त्रस्त है। सांविधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। इससे जनता का ध्यान भटकाने के लिए कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लेकिन, कांग्रेस नेता इससे डरने वाले नहीं हैं, वे डटकर जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों को जब्त करना एक निरंकुश तानाशाह की खीज का सुबूत है। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सांविधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर बदले की भावना से कार्रवाई कर रहे हैं। राय ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा जनता से जुड़े सवाल पूछने से घबराई भाजपा सरकार द्वेष पूर्ण कार्रवाई पर उतर आई है। हालत यह है कि प्रदेश में दलितों व बेटियों को जिंदा जलाया जा रहा है। यूपी सरकार अपराधियों पर अंकुश लगाने में नाकाम है। कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय में मंगलवार को प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के समक्ष विभिन्न दलों से आए नेताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली। सदस्यता लेने वालों में कानपुर से सर्वेश जायसवाल, नवीन चतुर्वेदी, शैलेंद्र शुक्ला, आदित्य मेहरोत्रा, आशुतोष त्रिपाठी आदि शामिल थे।

समय पर लगेज न मिलने नाराज यात्रियों ने एयरपोर्ट पर किया हंगामा, व्यवस्थाओं पर जताई नाराजगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

लखनऊ। भोपाल से लखनऊ पहुंचे यात्रियों ने एयरपोर्ट पर समय से लगेज न मिलने पर जमकर हंगामा किया। उन्होंने इंडिगो की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए। लखनऊ एयरपोर्ट पर समय से सामान न मिलने के कारण यात्रियों ने जमकर हंगामा किया और नाराजगी जाहिर की। उन्होंने इंडिगो एयरलाइंस की व्यवस्था पर सवाल उठाए। बुधवार को यात्री इंडिगो की फ्लाइट से भोपाल से लखनऊ पहुचे थे। वो अपने सामान का इंतजार कर रहे थे लेकिन काफी देर हो गई उन्हें लगेज नहीं सौंपा गया। इससे नाराज यात्रियों ने जमकर हंगामा किया।

मड़हे में आग लगने से सिलिंडर फटा, एक की मौत, छह घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सक्तेशगढ़/चुनार। चुनार थाना क्षेत्र के मड़फा गांव में मंगलवार को एक मड़हे में आग लगने से गैस सिलिंडर फट गया। जोरदार विस्फोट के कारण मड़हे का छप्पर उड़ गया। वहीं, चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि छह लोग घायल हो गए। दो को हालत गंभीर होने के कारण उन्हें ट्रॉमा सेंटर मिर्जापुर रेफर कर दिया गया। आग से झुलसकर दो पशु भी मर गए। पड़री थाना क्षेत्र के पथरहा निवासी ओम प्रकाश (45) मड़फा में जमीन लेकर घर बनवा रहे थे। मंगलवार को समर्सिबल पंप लगाने का काम चल रहा था। ग्राम प्रधान सर्वजीत यादव ने बताया कि ओम प्रकाश और मजदूर पाइप में मोबिल लगाकर बगल में स्थित छेदी पटेल के मड़हे में गैस चूल्हे पर गर्म कर रहे थे। उसी दौरान मोबिल से लिपटे पाइप में आग लग गई, जिसने मड़हे को अपनी चपेट में ले लिया। दोनों लोग भागकर बाहर निकले लेकिन किसी का ध्यान मड़हे में रखे गैस सिलिंडर पर नहीं गया। आग फैलने के कुछ देर बाद सिलिंडर फट गया, जिसकी चपेट में आने से ओम प्रकाश की मौके पर मौत हो गई। वहीं, पड़री के सागर सेमर निवासी शिवधार (65) और उमेश (25), राजगढ़ के मड़फा निवासी चौथी पाल (42), बहादुर पटेल (62), शांति देवी (55), धर्मेंद्र पटेल (24) घायल हो गईं। सभी को चुनार सीएचसी पहुंचाया गया, जहां से डॉक्टर ने शिवधार और चौथी को ट्रामा सेंटर मिर्जापुर रेफर कर दिया। इसके अलावा आग से झुलसकर दो मवेशी भी मर गए। ईंट की दीवार सहारे बना मड़हा ढह गया सिलिंडर में ब्लास्ट इतना जबरदस्त था कि ईंट की दीवारों और बल्लियों के सहारे बना मड़हा ढह गया। मड़हे का पूरा छप्पर उड़ गया। वहीं, बल्लियां भी इधर-उधर बिखर गईं और लोहे का बक्से पिचक गया। इसके अलावा झोपड़ी के अंदर रखा अनाज भी बिखरा पड़ा था। इनसेट ---- आग बुझाने के दौरान सभी आए चपेट में मड़हे में आग लगने के बाद ओम प्रकाश और

आसपास के लोग बुझाने में जुट गए। किसी को इस बात का ख्याल नहीं था कि अंदर गैस सिलिंडर रखा है। इस दौरान दो लोग पशुओं को बाहर निकालने के लिए गए, तभी सिलिंडर फट गया। चारों ओर सिलिंडर के टुकड़े बिखरे पड़े थे।मड़हे में गैस चूल्हे पर मोबिल लगा पाइप गर्म करते समय आग लग गई। आग बुझाते समय अंदर रखा गैस सिलिंडर फट गया। विस्फोट से मड़हे की दीवार का पत्थर छिटककर ओम प्राकश के चेहरे पर लगा, जिससे उसकी मौत हो गई। छह लोग झुलस गए है।

नौएडा सिटीजन फोरम ने की नौएडा प्राधिकरण के सीईओ से मुलाकात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा । सिटीजन फोरम के एक प्रतिनिधिमंडल ने नौएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम. से मुलाकात कर उनका ध्यान जनहित के कुछ अहम मुद्दों की ओर दिलाया। फोरम ने सीईओ को लिखित रूप से पत्र सौंपे, जिनमें अवगत कराया गया कि नौएडा में भीख मांगने वाले लोगों की संख्या काफी बढ़ गयी है। इनमें छोटे बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों, स्वस्थ वयस्कों, नवजात बच्चों को गोद में लेकर महिलाओं के साथ ही साथ गर्भवती महिलाओं को भी भीख मांगते देखा जा सकता है जो अमानवीय है। यह अत्यंत दुःखद है कि नौएडा जैसे हाई टेक शहर जिसको की उत्तर प्रदेश का शो विंडो भी कहा जाता है यहां पर अभी तक यह स्थिति बनी हुई है। फोरम ने सीईओ से कहा है कि प्रधानमंत्री ग्रामीण कल्याण योजना व अन्य योजनाओं के तहत भीख मांगने वालों को समायोजित किया जाए। इनको रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण इत्यादि दिलवाकर इनका जीवन सुधारा

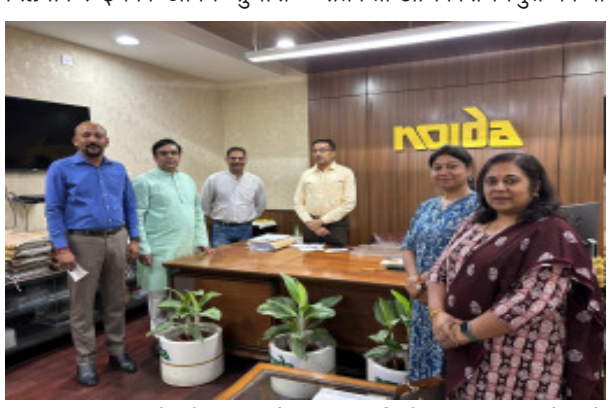

जाए। इस बात की भी जांच की जानी चाहिए कि इनमें अप्रवासी लोग जैसे रोहिंग्या इत्यादि तो नहीं है। यदि ऐसा है तो यह सुरक्षा की दृष्टि से भी ठीक नहीं है। फोरम ने सीईओ नौएडा प्राधिकरण से मांग की है कि नौएडा प्राधिकरण में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने हेतु सतर्कता अधिकारी नियुक्त किया जाए व सिटीजन चार्टर को भी सही से लागू किया जाना चाहिए। प्रत्येक विभाग के बाहर बड़े आकार के बोर्ड लगाये जाने चाहिए जिसपर सतर्कता अधिकारी का नाम, नंबर एवं सिटीजन चार्टर से संबंधित समस्त जानकारी लिखी होनी चाहिए। फोरम ने सीईओ को यह भी अवगत कराया कि नौएडा प्राधिकरण में जन सूचना अधिकार अधिनियम 2005 की कार्यशैली की समीक्षा की जानी चाहिए व इसको अधिक प्रभावी बनाने के लिए सीईओ नौएडा को आवश्यक कदम उठाने चाहिए। इसके साथ ही होम्स-121 सोसाइटी में पार्किंग अनियमितताओं को लेकर जांच की मांग की गई है जो कि एजीसी रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र (डीड ऑफ डिक्लेरेशन) में देखी गई हैं। एजीसी रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड ने केवल 452 खुली पार्किंग की व्यवस्था की है, जबकि उसने लगभग 795 पार्किंग स्लॉट बेच दिए हैं–जो कि नियामक मानदंडों का उल्लंघन है और साझा क्षेत्रों के अनुचित उपयोग को दर्शाता है। इस विसंगति के कारण पार्किंग स्थानों के मानक आकार, हरित क्षेत्रों का आवंटन, और गेस्ट पार्किंग की व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। फोरम ने नोएडा प्राधिकरण से औपचारिक रूप से अनुरोध किया है कि वह इस घोषणा पत्र (डीड ऑफ डिक्लेरेशन) की गहन जांच करे और के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे ताकि नियमों का सही ढंग से पालन सुनिश्चित किया जा सके। सीईओ नौएडा प्राधिकरण लोकेश एम ने सभी पत्रों को स्वयं स्वीकार करते हुए इनपर यथाशीघ्र कार्यवाही करने का आश्वासन एन.सी.एफ. प्रतिनिधिमंडल को प्रदान किया है। प्रतिनिधिमंडल में एन.सी. एफ. की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती इंद्राणी मुखर्जी, महासचिव प्रशांत त्यागी, उपाध्यक्ष चक्रधर मिश्रा, सचिव एवं कार्यालय प्रभारी श्रीमती गरिमा त्रिपाठी व प्रोसेनजीत मुखर्जी मौजूद रहे।

बॉलीवुड/टैली मसाला

'सिकंदर' की रिलीज से पहले सलमान ने संजय दत्त को लेकर किया बड़ा एलान, एक साथ नजर आएंगे दोनों दोस्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सलमान खान ने मुंबई में एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने ये ऐलान संजय दत्त को लेकर किया है। सलमान खान ने 'सिकंदर' फिल्म रिलीज से पहले बड़ा ऐलान किया है। सलमान खान ने ऐलान किया है कि वह 'चल मेरे भाई' के एक्टर संजय दत्त के साथ जल्द ही बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे। हालांकि, सलमान खान ने फिल्म का नाम नहीं बताया है। सलमान और संजय दोनों साथ काम करेंगे, फैंस के लिए यही बड़ी बात है। वहीं, भाईजान ने एटली के साथ फिल्म में देरी की बताई यह वजह। बुधवार को मुंबई में एक प्रेस कांफ्रेंस में सलमान खान ने संजय दत्त के साथ फिल्म करने का ऐलान किया। सलमान खान ने कहा कि फिल्म का अधिकारिक तौर पर बाद में ऐलान किया जाएगा। हालांकि मीडिया ने सलमान खान से कई बार इस फिल्म का नाम पूछा। इस पर सलमान खान ने कहा 'फिल्म देहाती और उच्च स्तर की होगी।' सलमान खान ने फिल्म की कहानी के बारे में भी कुछ नहीं कहा है। सलमान खान ने बताया कि एटली के साथ उनकी फिल्म में देरी की सबसे बड़ी वजह है बजट। अभिनेता ने कहा उन्होंने बहुत बड़े बजट की एक्शन फिल्म लिखी है, इसके डिले का कारण सिर्फ पैसा है। साथ ही उन्होंने 'रामायण' का उदाहरण देते हुए कहा कि वो नार्थ और साउथ दोनों के कलाकारों को कास्ट करते हैं, जिससे उनकी फिल्में चल सके। अभिनेता ने कहा कि जब उनकी फिल्म साउथ में रिलीज होगी, तो उनके दर्शक फिल्में नहीं देखने जाते। इसके अलावा अभिनेता ने कहा कि अगर हिन्दी फिल्मों के पास 20-30 हजार सिनेमाघर होते तो, हम हॉलीवुड को पीछे छोड़ देते। प्रेस कांफ्रेंस में सलमान खान ने बताया कि उनके पास दो फिल्में हैं। इसमें से एक फिल्म निर्माता 'सूरज बड़जात्या' के पास है। इन्होंने सलमान खान के साथ कई यादगार फिल्में बनाई हैं। सलमान ने कहा कि बड़जात्या की फिल्म अगली फिल्म हो सकती है जो रिलीज होगी आपको बता दें कि सलमान खान और संजय दत्त ने 'साजन', 'दस' और 'चल मेरे भाई' जैसी फिल्मों में काम किया है। दोनों एक्टर अपनी ऑन-स्क्रीन दोस्ती के साथ-साथ ऑफ-स्क्रीन दोस्ती के लिए जाने जाते हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि जब 'सिकंदर' सिनेमाघरों में रिलीज होगी तो संजय दत्त की अगली फिल्म 'द भूतनी' का ट्रेलर इसमें जोड़ा जायेगा। आपको बता दें कि सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' 30 मार्च यानी ईद पर सिनेमा घरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म का निर्देशन ए आर मुरुगदास ने किया है। फिल्म में रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, शर्मन जोशी, प्रतीक बब्बर और सत्यराज हैं।

'छावा' के आगे नहीं टिक रहीं फिल्में, जानिए 'द डिप्लोमैट' और 'तुमको मेरी कसम' की कमाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कई नई फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद भी बॉक्स ऑफिस पर 'छावा' ने अपना दबदबा बनाए रखा है। आइए जानते हैं विक्की कौशल की फिल्म समेत 'द डिप्लोमैट' और 'तुमको मेरी कसम' के कलेक्शन के बारे मेंविक्की कौशल की फिल्म 'छावा' का दबदबा बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के 40 दिनों बाद भी जारी है। 14 मार्च को सिनेमाघरों में जॉन अब्राहम की फिल्म 'द डिप्लोमैट' ने दस्तक दिया। इस बीच 21 मार्च को 'तुमको मेरी कसम' नाम की फिल्म ने भी सिनेमाघरों का रुख किया, लेकिन ये सभी नई रिलीज फिल्में 'छावा' को कलेक्शन के मामले में टक्कर नहीं दे पाईं। आइए जानते हैं इन फिल्मों ने बुधवार को कितना कलेक्शन किया अनुपम खेर, इश्वाक सिंह, अदा शर्मा, एशा देओल, मेहरान माजदा, सुशांत सिंह और दुर्गेश कुमार जैसे कई कलाकारों से सजी फिल्म 'तुमको मेरी कसम' शुक्रवार, 21 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। 20 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म ने पहले दिन महज 15 लाख रुपये की कमाई की। बुधवार को फिल्म को रिलीज हुए छह दिन हो गए और फिल्म ने छठे दिन महज नौ लाख रुपये का कलेक्शन किया है। फिल्म के कुल कलेक्शन की बात करें तो अब तक यह 1.06 करोड़ का कलेक्शन किया है। होली पर जॉन अब्राहिम की फिल्म 'द डिप्लोमैट' रिलीज हुई। फिल्म के लिए अच्छी बात यह है कि हफ्ते भर बाद इसने अपना बजट निकाल लिया है और अब यह धीमी रफ्तार के साथ मुनाफे की कमाई करने की ओर बढ़ रही है। वीकएंड पर फिल्म की कमाई में उछाल दर्ज किया गया था, लेकिन सोमवार को इसकी कमाई लाखों रुपये में ही सिमट गई। अब मंगलवार को यानी 12वें दिन फिल्म ने 80 लाख रुपये की कमाई की। बुधवार को फिल्म ने 75 लाख रुपये का कारोबार किया है।विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'छावा' पहले दिन से ही सिनेमाघरों में और बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है। इस बीच कई सारी फिल्में रिलीज हुईं और सिनेमाघरों को अलविदा भी कह गईं, लेकिन लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी 'छावा' ने पिछले 41 दिनों से अपने पांव जमा रखे है। हालांकि, इस बीच फिल्म की कमाई में उतार चढ़ाव देखने को भी मिला। फिल्म के बुधवार यानी 41वें दिन के कलेक्शन की बात करें तो इसने 1.40 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। फिल्म की कुल कमाई अब तक 587.75 करोड़ रुपये हुई है।

घर के अंदर अवनीत कौर ने दिखाए डांस मूव्स

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अवनीत कौर ने सोशल मीडिया पर एक डांस वीडियो शेयर किया है। ये डांस वीडियो काफी वायरल हो रहा है। आप भी देखें।अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह अपनी बेहतरीन तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। हाल ही में अवनीत कौर ने सोशल मीडिया पर अपनी बेहतरीन डांस वीडियो शेयर की है। इस वीडियो को उनके फैंस खूब लाइक कर रहे हैं और इस पर कमेंट भी कर रहे हैं। अवनीत कौर ने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल से जो वीडियो शेयर की है उसमें उन्होंने बेहतरीन डांस किया है। अवनती के हुक स्टेप काफी अच्छे हैं। डांस करते हुए अवनीत कौर काफी खुश लग रही हैं और वह चेहरे से बेहतरीन एक्सप्रेशन दे रही हैं। अवनीत के वीडियो पर कई यूजर्स ने कमेंट किए हैं। अवनीत कौर की डांस वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा 'आपके डांस का इंतजार कर रहा था।' एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'आपने तो हमें मार ही दिया।' एक यूजर ने कमेंट किया है कि 'आपको मूव बहुत अच्छे हैं।' हाल ही में एक इंटरव्यू में अवनीत कौर ने बताया कि जब वह 12 साल की थीं तब एक निर्देशक ने उन्हें बहुत कठिन शब्दों वाला एक पेज पढ़ने के लिए दिया। जब वह इसे नहीं पढ़ पाईं तो उन्होंने उन्हें डांटा और गाली भी दी। इसके बाद निर्देशक ने अवनीत से कहा था कि वह कभी भी कुछ नहीं कर पाएंगी। इंडस्ट्री में कभी तरक्की नहीं कर पाएंगी। हालांकि अवनीत ने साल 2010 में एक डांस शो 'डांस इंडिया डांस, लिटिल मास्टर्स' से अपने करियर की शुरूआत की। इसके बाद वह 2012 में 'मेरी मां' शो में आईं। इसके बाद वो कई टीवी सीरियल्स में दिखाई दीं। उन्होंने रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद अवनीत 2023 में आई फिल्म 'टीकू वेड्स शेरू' में अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ पहली बार प्रमुख भूमिका में नजर आईं।

सलमान खान इसलिए करना चाहते हैं अनन्या और जाह्नवी के साथ काम, उम्र के अंतर पर दिया बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सलमान खान ने कहा है कि वह अनन्या पांडे और जाह्नवी कपूर के साथ काम करना चाहते हैं। लेकिन लोग उम्र का अंतर बताकर इस काम मुश्किल बना देंगे।बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान, इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'सिकंदर' का प्रमोशन कर रहे हैं। सलमान ने युवा अभिनेत्रियों के साथ अपनी फिल्मों को लेकर हो रही चर्चाओं पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि वह अनन्या पांडे और जाह्नवी कपूर के साथ काम करना चाहेंगे, लेकिन लोग उनके बीच उम्र के अंतर को लेकर उनकी आलोचना करेंगे। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, सलमान ने उम्र के अंतर पर खुलकर बात की और कहा कि वह युवा अभिनेत्रियों के साथ केवल उन्हें बड़ा मंच और मौका देने के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर मैं अनन्या या जाह्नवी के साथ काम करना चाहता हूं, तो लोग मेरे लिए इसे मुश्किल बना देते हैं क्योंकि तब वे उम्र के अंतर के बारे में बात करते हैं। इसके बावजूद, मैं उनके साथ काम करना जारी रखूंगा।इसी बातचीत के दौरान सलमान खान ने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने एक बार एक फिल्म निर्माता को एक साथ कई कलाकारों को लेकर कुछ बनाने का सुझाव दिया था, लेकिन मौजूदा पीढ़ी के सभी अभिनेताओं ने एक-दूसरे के साथ काम करने से इनकार कर दिया था। सलमान के बताया ठसभी बहुत हैरत में पड़ गए। हम मल्टी-कास्ट फिल्में करने में सहज थे क्योंकि हमारे लिए यह ऐसा था कि हमारे सभी प्रशंसक एक साथ मिलकर फिल्म को हिट बनाते। हमने एक साथ 100-200 दिन काम किया बहरहाल सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' 30 मार्च यानी कि ईद के मौके पर रिलीज होने वाली है। फिल्म में रश्मिका मंदाना हैं। फिल्म के ट्रेलर के लॉन्च के मौके पर सलमान खान ने उम्र के गैप के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था ठसोशल मीडिया वाले आज कल पीछे पड़ जाते हैं। अब लोग कह रहे हैं कि अभिनेत्री और मुझमें 31 साल का गैप है। अरे जब अभिनेत्री को दिक्कत नहीं है। अभिनेत्री के पिता को दिक्कत नहीं है, तो तुमको क्यों दिक्कत है? कल जब उसकी शादी हो जाएगी और उसके बच्चे होंगे और बड़ी स्टार बन जाएगी, इसके बावजूद वह काम करना जारी रखेगी।

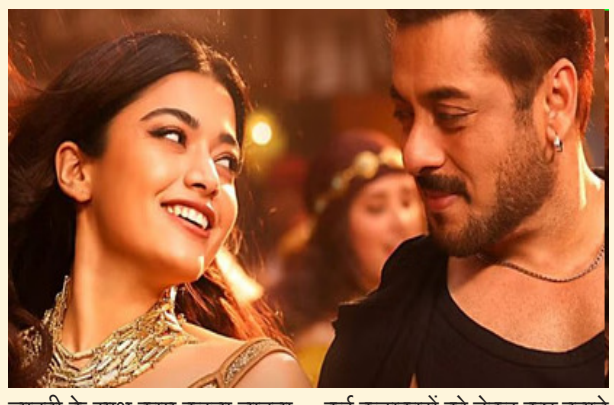

'छोरी 2 ' के सेट पर चोटिल हुई नुसरत की आंख, लगे थे दो टांके; करीना-माधुरी पर कही ये बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आईफा अवॉर्ड 2025 में अमर उजाला ने नुसरत भरुचा से खास बातचीत की। इस मौके पर एक्ट्रेस ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'छोरी 2' के बारे में कई दिलचस्प खुलासे किए।नुसरत भरुचा की फिल्म 'छोरी 2' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। फिल्म में वो एक बार फिर से सभी को डराती नजर आ रही हैं। बीते दिनों जयपुर में हुए 25वें आईफा अवॉर्ड्स 2025 में नुसरत ने अमर उजाला के साथ खास बातचीत में इस फिल्म को लेकर अपडेट दी थी। फिल्म के अलावा उन्होंने और भी कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। सबसे पहले नुसरत ने आईफा अवॉर्ड में शामिल होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि जब किसी फिल्म को सिनेमाघरों में 25 हफ्ते पूरे हो जाते हैं तो हम सिल्वर जुब्ली मानते हैं, आईफा को तो 25 साल हो गए हैं। यह बहुत बड़ी बात है। यह एक मील का पत्थर है और मुझे खुशी है कि मैं आईफा का हिस्सा हूं। आगामी फिल्म 'छोरी 2' के बारे में पूछे जाने पर नुसरत ने अपनी शूटिंग का अनुभव साझा किया, जो उनके लिए बेहद खतरनाक भी रहा। उन्होंने कहा, 'छोरी 2 की शूटिंग का अनुभव बहुत खतरनाक रहा, क्योंकि इस दौरान मैंने जो किया, मुझसे जो करवाया गया, मुझ पर जो बीती है, वो मैं आपको बता भी नहीं सकती।' नुसरत ने बताया कि वह सेट पर घायल भी हो गई थीं। यह किस्सा साझा करते हुए उन्होंने कहा, 'शूटिंग के दौरान सेट पर आंख के पास चोट लग गई थी और दो टांके भी आए थे। खून भी बहा था, लेकिन मजा बहुत आया, शूटिंग करने में अच्छा लगा। छोरी फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है और अब छोरी 2 भी दिल के करीब हो गई है।आईफा अवॉर्ड को लेकर नुसरत ने आगे बताया कि वो करीना कपूर और माधुरी दीक्षित की परफॉर्मेंस देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। इसके साथ ही उन्होंने आईफा के साथ शुरू हुए अपने सफर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'आईफा के साथ मेरा बेहद यादगार सफर रहा है क्योंकि आईफा ही पहला अवॉर्ड फंक्शन है, जहां मैंने पहली बार परफॉर्म किया था, तब से मैं हर साल यहां आती हूं। मुझे हर साल बहुत प्यार से बुलाया जाता है। मुझे यहां आकर ऐसा नहीं लगता कि मैं किसी अवॉर्ड फंक्शन में आई हूं, बल्कि मुझे लगता है कि मैं फिल्म इंडस्ट्री के बड़े गेट टुगेदर में आई हूं।'नुसरत से अवॉर्ड शो के दौरान अन्य सितारों से मुलाकात करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'आप लोगों को लगता है कि हम लोग अपने को-स्टार से बैक स्टेज मिलते हैं, लेकिन ऐसा है नहीं, क्योंकि जब तक हम जाते हैं, वो कहीं और चले जाते हैं। हां, यहां काम का प्रेशर नहीं होता है और हम खुलकर एंजॉय करते हैं। यहां थोड़ी मौज-मस्ती और मजाक होते हैं तो यहां आकर काफी मजा आता है।जब नुसरत से उनके करियर के दौरान उनका ड्रीम रोल निभाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मेरा जो ड्रीम रोल था वो मैं कर चुकी हूं और वो 'छोरी' है। मैं अपना ड्रीम रोल दो बार निभा चुकी हूं, एक छोरी में और दूसरा 'छोरी 2' में। इसके साथ नुसरत ने फिल्म के जोनर पर भी बात की उन्होंने कहा कि यह प्योर हॉरर फिल्म है, इसमें कॉमेडी का तड़का नहीं है। हां समाज के लिए एक जरूरी संदेश है। उन्होंने कहा कि 'छोरी 2' बहुत सीरियस फिल्म है, जो वो बोल रही है, वह मुद्दा बड़ा है, जिसके बारे में बात होनी चाहिए। गांव में अभी भी वो चीजें होती हैं, जो होनी नहीं चाहिए तो 'छोरी' में उस मुद्दे के बारे में बात की गई है।

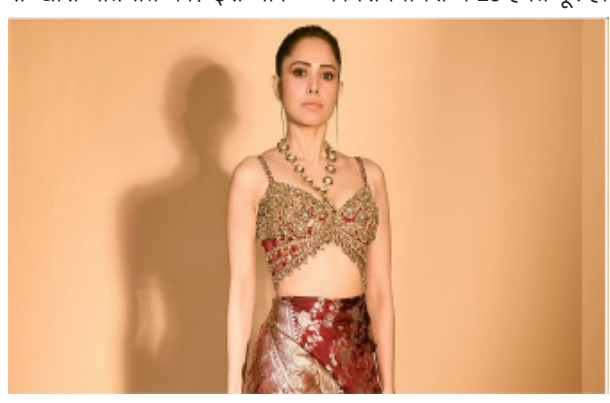

कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ पुलिस सख्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ पुलिस सख्त नजर आ रही है। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर कथित टिप्पणी करने के बाद अब उनके पुराने व्यंग्यात्मक टिप्पणियों पर भी जांच शुरू कर दी गई है।मुंबई पुलिस ने कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। पुलिस का कहना है कि वह महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई टिप्पणी से पहले के उनके व्यंग की भी पड़ताल कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अगर कुणाल ने किसी राजनेता, अभिनेता या खिलाड़ी पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी की होगी तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अभी तक कुणाल कामरा मुंबई पुलिस के संपर्क में नहीं आए हैं। सुबह से लेकर शाम तक इस मामले में कई घटनाएं सामने आईं। मंगलवार को खार पुलिस ने कुणाल को समन जारी किया, जिसमें उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया था। हालांकि, कुणाल के वकील ने सात दिन का समय मांगा, जिसे पुलिस ने ठुकरा दिया। इसके बाद बुधवार को दूसरा समन जारी किया गया।

अफेयर' बनाने के चक्कर में फिर फंसे कार्तिक, श्रीलीला को पता चली असलियत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हाल ही में एक कार्यक्रम में कार्तिक आर्यन की पीआर टीम ने श्रीलीला की मौजूदगी में उनकी मां से डॉक्टर बहू का सवाल करा दिया। डॉक्टरी की पढ़ाई पूरी कर चुकीं श्रीलीला को अब ये पता चल चुका है कि ये सारा किस्सा पहले से 'स्क्रिप्टेड' था। तीन साल तक लगातार साइमा (साउथ इंडियन इंटरनेशन मूवी अवाड्र्स) जीतकर साउथ सिनेमा में तहलका मचा देने वाली अभिनेत्री श्रीलीला की हिंदी सिनेमा में पहली लीला वैसे तो अभिनेता इब्राहिम अली खान के साथ फिल्म 'सरजमीं' में दिखनी है, लेकिन ये फिल्म कब रिलीज होगी, किसी को पता नहीं। इस बीच निर्देशक अनुराग बसु ने उन्हें अपनी अगली अनाम फिल्म में उन कार्तिक आर्यन की हीरोइन बना लिया, जिनके साथ काम करने को हिंदी सिनेमा की कोई भी नामचीन अभिनेत्री उनके रवैये के चलते तैयार नहीं हो रही।कार्तिक की दो आदतों पर उनके प्रशंसकों की खास निगाह रहती है, एक तो पुरस्कार कैसा भी हो अगर उनको मिल रहा है. तो वह चांद पर भी जा सकते हैं। दूसरा, उनका अपनी फिल्म की हीरोइन से या तो फिल्म शुरू होते ही 'अफेयर' हो जाता है या फिर फिल्म खत्म होते होते 'कट्टी' हो जाती है। 'भूल भुलैया 2' में तब्बू के साथ मामला इतना बिगड़ा था कि दोनों ने फिल्म की रिलीज के दौरान एक साथ मंच पर आने तक से इनकार कर दिया।

अभिनय ही नहीं, बिजनेस की दुनिया का चमकता सितारा हैं राम चरण, जानें नेटवर्थ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभिनय ही नहीं, बिजनेस की दुनिया का चमकता सितारा हैं राम चरण, जानें नेटवर्थसाउथ सिनेमा के सुपरस्टार राम चरण 27 मार्च को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। 1985 में चेन्नई तमिलनाडु में जन्म लेने वाले राम चरण आज भारतीय सिनेमा के सबसे चर्चित और लोकप्रिय अभिनेताओं में से एक हैं। मेगास्टार चिरंजीवी के बेटे होने के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा से अलग पहचान बनाई है। आज उनके जन्मदिन के मौके पर हम उनके जीवन, अभिनय करियर और बिजनेस की दुनिया में उनकी सफलता पर नजर डालते हैं।राम चरण का पूरा नाम राम चरण तेजा कोनिडेला राम चरण तेजा है। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा हैदराबाद में पूरी की और अभिनय की दुनिया में कदम रखने से पहले अपनी पढ़ाई पर ध्यान दिया। साल 2007 में फिल्म 'चिरुथा' से उन्होंने तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। इसके बाद 2009 में आई फिल्म 'मगधीरा' ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया। इस फिल्म ने उस समय की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलुगु फिल्म का रिकॉर्ड बनाया और राम चरण को व्यापक पहचान दिलाई। राम चरण ने साउथ सिनेमा में अपनी मजबूत पकड़ बनाई, लेकिन बॉलीवुड में उनकी कोशिश नाकाम रही। साल 2013 में उन्होंने फिल्म 'जंजीर' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा, जो 1973 की अमिताभ बच्चन की हिट फिल्म की रीमेक थी। इस फिल्म में उनके साथ प्रियंका चोपड़ा और संजय दत्त जैसे सितारे थे, लेकिन यह फिल्म दर्शकों को प्रभावित करने में नाकाम रही। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो गई। बॉलीवुड में जगह बनाने का उनका यह प्रयास असफल रहा, लेकिन इससे उनके साउथ सिनेमा के करियर पर कोई असर नहीं पड़ा। राम चरण के करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साल 2022 में आया। एसएस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' में उन्होंने अल्लूरी सीताराम राजू का किरदार निभाया, जिसे दुनियाभर में सराहा गया। 'आरआरआर' ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया, बल्कि इसके गाने 'नाटू नाटू' ने ऑस्कर अवॉर्ड जीतकर इतिहास रच दिया। इस फिल्म की सफलता के बाद फैंस उन्हें 'ग्लोबल स्टार' कहने लगे। आज उनकी फैन फॉलोइंग भारत से लेकर विदेशों तक फैल चुकी है। राम चरण केवल एक अभिनेता ही नहीं, बल्कि एक सफल बिजनेसमैन भी हैं। अभिनय के साथ-साथ वह कई व्यावसायिक क्षेत्रों में सक्रिय हैं। वह अपने परिवार के प्रोडक्शन हाउस ठकोनिडेला प्रोडक्शन कंपनीठ के सह-मालिक हैं, जिसके बैनर तले कई फिल्में बन चुकी हैं। इसके अलावा, राम चरण टूजेट नाम की एक एयरलाइन कंपनी के भी मालिक थे। उनकी बिजनेस समझ और निवेश ने उनकी संपत्ति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक राम चरण की कुल नेटवर्थ करीब 1370 करोड़ रुपये है जो उन्हें साउथ सिनेमा के सबसे अमीर सितारों में से एक बनाती है। राम चरण ने 2012 में उपासना कामिनेनी से शादी की, जो एक सफल बिजनेसवुमन हैं। दोनों का एक मजबूत रिश्ता है और वे अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी जिंदगी की झलकियां शेयर करते हैं। अभिनय की बात करें तो राम चरण जल्द ही 'आरसी 16' में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ जान्हवी कपूर भी हैं। फिल्म का निर्देशन बुची बाबू सना कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है।

स्वात्वाधिसकसार एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सम्पादक/प्रकाशक डा0 पुनीत अरोरा

मो0न0-09415608710

RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र मे प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हंतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।